जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 39 प्रभात उदयपुर, शनिवार 10 दिसम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सोनिया गांधी ने रणथम्भौर में अपनों के बीच मनाया 76वां जन्मदिन

शाम की पारी में देखी बाघ-बाघिन की अठखेलियां

सवाईमाधोपुर, 9 दिसम्बर (निस)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 76 वां जन्मदिन अपने परिवार के साथ रणथम्भौर में मनाया।

रणथम्भौर में सोनिया गांधी का जन्मदिन सेलिब्रेट करने गत दिवस गांधी परिवार सवाई माधोपुर पहुंचा था। सोनिया गांधी करीब 37 साल बाद रणथम्भौर आई हैं। गौरतलब है कि आज से करीब 37 साल पहले सोनिया गांधी अपने पति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव

- **37 साल पहले सोनिया गांधी अपने पति राजीव गांधी के साथ रणथम्भौर आईं थी।**

गांधी के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए रणथम्भौर आई थीं।

उस समय उनके साथ उनके पारिवारिक मित्र अमिताभ बच्चन भी थे। करीब 37 साल बाद सोनिया गांधी अपने बच्चों प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के साथ रणथम्भौर आई हैं, जहां उनका जन्मदिन मनाया गया। सोनिया, प्रियंका और राहुल गांधी गुरुवार शाम जोगी महल पहुंचे, जहां सोनिया गांधी ने अपनी पुरानी यादें ताजा की, जब वे अपने पति राजीव गांधी के साथ यहां आई थीं।

सोनिया गांधी अपना 76वां जन्म दिन मनाने 37 साल बाद अपने बच्चों प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के साथ रणथम्भौर आईं। सोनिया गांधी 1985 में अपने पति राजीव गांधी के साथ रणथम्भौर घूमने आई थीं।

जोगी महल से राहुल गांधी और सोनिया गांधी वापस होटल लौट आए। शाम को गांधी परिवार ने रणथम्भौर सफारी की और बाघों की अठखेलियां देखी।

सोनिया गांधी के जन्मदिन को लेकर रणथम्भौर स्थित पांच सितारा होटल शेर बाग में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, वेणुगोपाल सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सोनिया गांधी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। बताया जाता है कि इसके बाद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी दोनों संभवतया राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगी।

गांधी परिवार की सुरक्षा को लेकर होटल शेरबाग में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। समूचे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया और चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया।

मीडिया को भी करीब दो किलोमीटर दूर ही रोक दिया गया। बिना इजाज़त किसी को आगे जाने की अनुमति नही है।

5 साल में 239 करोड़ रू. खर्च हुए मोदी की विदेश यात्राओं पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 5 साल में 30 विदेश यात्राएं की हैं जिनमें 239 करोड़ रू. खर्च हुए हैं। यह जानकारी सरकार ने राज्यसभा में माकपा सांसद एलामराम करीम द्वारा पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

उनमें से 29 यात्राओं में उनके साथ नैशनल सिक्योरिटी एडवाइज (एन. एस. ए.) अजीत डोवल भी थे। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने यह जानकारी दी और बताया कि प्रधानमंत्री

- **राज्यसभा में माकपा सांसद ई. करीम के सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने यह जानकारी दी।**

की यात्राओं का मकसद विदेशी राष्ट्रों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाना था। उन्होंने कुल 36 यात्राओं का ब्यौरा दिया पर खर्चा 31 यात्राओं का दिया गया। अगस्त 2019 की भूटान यात्रा, इस वर्ष मई की नेपाल यात्रा का खर्च इसमें शामिल नहीं है। साथ ही मार्च 2021 की बांग्लादेश यात्रा सितम्बर 2021 की इटली यात्रा और अक्टूबर 2021 की यू.के. यात्रा का खर्च भी इसमें शामिल नहीं है क्योंकि यह व्यय गृह मंत्रालय ने दिया था।

जवाब में बताया गया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जमानत याचिका पर मात्र 10 मिनट ही सुनवाई हो'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अदालतें जमानत याचिकाओं पर दस मिनट से ज्यादा सुनवाई ना करें। जमानत पर कई दिनों तक सुनवाई करना समय की बरबादी है। जस्टिस संजय किशन कौल और ए.एस. ओका की बैंच ने जे.एन.यू. छात्र शरजील इमाम की याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगों के षडयंत्र केस में शरजील और उमर खालिद की जमानत याचिका

- **सुप्रीम कोर्ट ने शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि, जमानत पर कई दिन तक सुनवाई करना समय की बरबादी है।**

खारिज करते हुए अपने आदेश में जो टिप्पणियां की थी, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दिया है।

बैंच ने कहा कि, "ऐसा तब ही होता है जब जमानत याचिका पर भी दोष सिद्धी की फाइनल अपील की तरह लम्बे समय तक सुनवाई होती है।" खालिद की जमानत याचिका पर 20 दिन तक सुनवाई हुई उसके बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी और आदेश में शरजील के खिलाफ भी टिप्पणी की थी।

'कोलीजियम का सिर्फ फैसला ही सार्वजनिक होगा'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वह याचिका खारिज कर दी जिसमें कोलीजियम मीटिंग का ब्यौरा मांग गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ फैसला ही सार्वजनिक किया जाएगा चर्चा नहीं।

जस्टिस एम.आर. शाह और सी.

- **सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि, सुनवाई में कोलीजियम की बैठक में हुई चर्चा का ब्यौरा नहीं दिया जाएगा।**

टी. रविकुमार की बैंच ने आर.टी.आई. एक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज की याचिका खारिज कर दी। भारद्वाज का प्रतिनिधित्व प्रशांत भूषण कर रहे थे। याचिका में भारद्वाज ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में 12 दिसम्बर 2018 को हुई सुप्रीम कोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्राम के बाद बूंदी के गुड़ली से आज भारत जोड़ो यात्रा पुनः शुरू होगी

केशोरायपाटन से राहुल गांधी अपनी मां सोनिया और बहिन प्रियंका के साथ यात्रा में शामिल होंगे

बूंदी, 9 दिसम्बर (निसं)। सोनिया गांधी के जन्मदिवस, 9 दिसम्बर, पर रखे गए विश्राम के बाद आज सुबह बून्दी जिले में भारत जोड़ो यात्रा के पड़ाव स्थल गुडली से भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ होगी। शनिवार सुबह सवाई माधोपुर से रवाना होकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सीधे केशोराय पाटन पहुंचकर रिलायंस पेट्रोल पम्प से सुबह आठ बजे यात्रा में शामिल होंगे।

वहीं सुबह सात बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी जयपुर से रवाना होकर सुबह 7.45 बजे केशोराय पाटन पहुंचकर यात्रा में शामिल होंगे। रिलायंस पेट्रोल पम्प के आगे बनाए गए मंच पर तीनधारा महादेव पर संचालित वेद विद्यालय के वेदपाठी बटुक राहुल गांधी व अन्य सभी यात्रियों का वेदमंत्रों से स्वागत अभिनन्दन करेंगे। पूरे यात्रा मार्ग पर हजारों कार्यकर्ता राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए खड़े रहेंगे।

- **केशोरायपाटन में राहुल व भारत जोड़ो यात्रा के सभी यात्रियों के स्वागत में वेद विद्यालय के वेद पाठी बटुक वेद मंत्रों का पाठ करेंगे।**
- **मु.मंत्री गहलोत भी जयपुर से सीधे केशोरायपाटन पहुंचेंगे।**
- **इससे पहले विश्राम के दौरान गुड़ली में भारत जोड़ो यात्रियों व कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर केक काटा गया, लड्डू बांटे गए और आतिशबाजी भी की गई।**

गुड़ली विश्राम स्थल पर मनाया सोनिया का जन्म दिन, भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं को लड्डू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गुजरात में हुआ राजस्थान मॉडल फेल'

जयपुर, 9 दिसम्बर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी ने पत्रकार वार्ता के दौरान रीट परीक्षा में नकल के मामले में शिक्षा राज्य मंत्री

- **वरिष्ठ भाजपा नेता वासुदेव देवनानी ने कहा, गुजरात में राजस्थान मॉडल फेल हो गया है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट आपस में लड़ रहे हैं। राजस्थान की जनता इन्हें पहचान चुकी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी ही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को नकारा, निकम्मा और गद्दार तक कह चुके हैं।**

सुभाष गर्ग को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में सुभाष गर्ग के साथ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूंगरा हादसे में पाँच की और मौत, मृतकों की संख्या 7 हुई

- **जोधपुर से 110 किलोमीटर दूर, शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में गैस सिलैण्डर ब्लास्ट से शादी की खुशियां मातम में बदलीं।**
- **हादसे में 20 परिवारों के 50 से ज्यादा लोग झुलस गए हैं। सभी का डॉक्टर सपूर्णानंद मैडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।**
- **मृतकों के परिजनों को सात-सात लाख रू. और घायलों को एक-एक लाख रू. की सहायता देने की घोषणा की गई है।**

जोधपुर, 9 दिसम्बर (कासं)। डॉक्टर एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप कच्छावा ने, गुरुवार को शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में शादी के घर में हुए गैस सिलैण्डर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसी तीन महिलाओं, धापू कंवर, कंवरू, चंदन कंवर और दो बच्चों की आज मौत होने की पुष्टि की है। दो बच्चो की मौत पहले ही हो चुकी है। अब मृतकों की संख्या 7 हो गई है। इस भीषण हादसे में करीब 20 परिवारों के 50 से ज्यादा लोग झुलसे हैं। वहीं, दो घरों में शादियों की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

जोधपुर से करीब 110 किलोमीटर दूर शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हुए और पूरा गांव दहल गया। जले हुए लोगों को जब जोधपुर के हॉस्पिटल लाया गया तो उन्हें देखकर हर कोई सिहर गया।

जिस समय हादसा हुआ उस समय दूल्हा सुरेंद्र सिंह और उसके परिवार के लोग बारात की तैयारी कर रहे थे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं। बहनें इंतजार कर रही थीं। पूरा गांव परिवार की खुशी में शामिल होने आया हुआ था।

अचानक एक सिलेंडर में गैस लीक होने के कारण आग लग गई और देखते ही देखते पांच सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। ब्लास्ट में सुरेंद्र सिंह का पूरा घर तबाह हो गया। घर में जो टैंट लगाया था वह भी जल गया। परिजनों ने बताया कि आंगन में बैठी महिलाओं पर एक गैस सिलेंडर आकर गिरा। जिससे कई महिलाएं झुलस गईं।

अचानक घर के अंदर से चीख-पुकार सुन आस-पास के लोग पहुंचे तो वहाँ के हालात देखकर स्तब्ध रह गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आग लगी हमारी झौपड़ियों में, हम गायें मल्हार'

क्या उपरोक्त लोक गीत सही वर्णन है राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का?

-सुजीत चक्रवती-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। गुजरात में भाजपा की शानदार जीत और कांग्रेस पार्टी की करारी हार ने आम जनमानस के दिमाग में एक सवाल पैदा कर दिया है कि क्या राजनैतिक दलों का एक मात्र उद्देश्य चुनाव जीतना और सत्ता प्राप्त करना ही होता है।

इसी से सम्बधित सवाल यह है कि क्या देश को ऐसे प्रधानमंत्री जी की जरूरत है जिसका अधिकांश समय अपनी पार्टी की चुनावी जीत सुनिश्चित करने में ही खर्च होता है और क्या राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की कोई प्रासंगिकता है, अगर यह कांग्रेस की चुनावी संभावनाएं भी बेहतर नही बना सकती है तो?

इन सवालों को उन सवालों की पृष्ठभूमि में देखा जाए जिनका सामना मैं गुजरात के चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद से कर रहा हूँ।

एक बहुत अच्छा दोस्त एम.के., जो स्पष्ट रूप से मोदी-शाहशैली की गवर्नेंस के खिलाफ है, यात्रा पर लिखने ओर राहुल का गुणगान करने के लिए मुझ से बहुत नाराज़ है, क्यों कि गुजरात में भाजपा ही भाजपा है। एक अन्य पुराने मित्र ने राहुल पर एक मीम शेयर किया जिसमें वे बैठकर गा रहे हैं, नीचे कैप्शन है "आग लगी हमरी झोपडिया में हम गाएं मल्हार"

दोनों ही गलत हैं उनके, उद्देश्य चाहे जो हों और हालिया चुनाव नतीजों का उन्होंने गलत अर्थ निकाला है। लेकिन पहले वाले की चिंता जायज है और इसलिए इसे करीब से देखने की जरूरत है। एम.के. जो यात्रा पर मेरे लिखे आलेखों का प्रशंसक है, गुजरात नतीजों को लेकर क्रोधित हो गया और पूछा "अगर आप एक चुनाव नहीं जीत सकते तो यात्रा का फायदा क्या है"

यह एक पॉइन्ट है क्योकि राहुल गांधी की यात्रा का उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं है। यहां तक कि खुद एम.के. ने कहा था कि, "राहुल ने वह भूमिका निभाने का फैसला किया है, जो महात्मा गांधी ने निभाई थी "राहुल की योजना ऐसा राजनैतिक दृष्टा बनने की है जिसमें वे चुनाव जीतना नहीं बल्कि पार्टी का मार्गदर्शन करना चाहते हैं।"

अब एम. के. राहुल पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने गुजरात में प्रचार क्यों नही किया अगर उन्होने थोड़े से प्रयास किए होते तो कांग्रेस को इतनी शर्मनाक हार से तो बच जाती।

हाँ ठीक है, पर इसके कई कारण हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों नही किया। ऐसा नहीं है कि राहुल ने खुद यह सब बात मुझे बताई है, मैं तो कभी उनसे मिला भी नहीं। लेकिन यह मेरा आंकलन है।

सबसे पहले तो यात्रा की संरचना देखिए यह "कन्या कुमारी से कश्मीर तक"। आमतौर पर हिन्दी में कहा जाता है "कश्मीर से कन्या कुमारी तक"।

इससे पीछे हटकर गुजरात जाना भारी भूल होती क्योंकि तब भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल जाता। तब भाजपा कहती

- **क्या भारत जोड़ो यात्रा सफल रहेगी, राजनीति नयी परिभाषा करने में?**
- **क्योंकि, भारत जोड़ो यात्रा, यह सवाल भी उठाती है कि, क्या राजनीति का केवल एक ही ध्येय हैः चुनाव जीतना व सत्ता में बने रहना?**
- **इसी संदर्भ में भारत जोड़ो यात्रा के बारे में एक सवाल यह भी उठ रहा है कि, राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के कार्यक्रम में तब्दीली करके गुजरात में और समय क्यों नहीं बिताया? अगर वे ऐसा करते, तो शायद गुजरात में पार्टी की इतनी शर्मनाक हार नहीं होती।**
- **वैसे ही, राहुल की यात्रा पर, साधारण आदमी का विश्वास धीरे-धीरे जमा और देर से भीड़ आनी शुरू हुई, पर राहुल अगर अपनी यात्रा के घोषित कार्यक्रम में बदलाव करते तो इसके बाद, जनता राजनीतिज्ञों को झूठा तो मानती ही है, भविष्य में कभी विश्वास नहीं करती।**
- **राहुल गांधी ने इस यात्रा से जनता में सपना देखने की हिम्मत जगायी है, अतः एक हारे हुए चुनाव में पुरजोर ढंग से भाग लेने से, क्या राहुल इस नयी तरह के राजनीतिक दर्शन के स्वप्न की भ्रूण हत्या नहीं कर देते?**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है।

–शंकराचार्य

निर्धनता में जिया निर्धन ही हमें सही नेतृत्व देता है

पूरे शीर्षक का विलोम यह है कि संपन्नता में जिया, संपन्न व्यक्ति हमें सही नेतृत्व नहीं दे सकता। यह कथन कोई नवीन आविष्कार नहीं है, बल्कि अनुभव जन्य अनेक उदाहरणों का निष्कर्ष है। रिसर्च में आविष्कार तो कभी ही होता है याने पूर्णतः नवीन ज्ञान जो पहले नहीं था। सामान्यतः तो रिसर्च में पुनः खोज ही होती है–शोध होती है, शोधन होता है। वह तथ्य ज्ञात भी हो सकता है पर उसे प्रचार–प्रसार नहीं मिल पाता, गहराई में जाकर उस तथ्य को या जानकारी को सतह पर लाया जाता है। अपने अपेक्षाकृत निर्धन देश में स्वतंत्रता के बाद का समय संभवतः यही सिखाता है कि हमारे निर्धनता में जन्मे नेता जो निर्धन ही रहे, हमें सही नेतृत्व व न्याय दे पाये हैं। अधिकांशतः संपन्न व्यक्ति की सँवेदनाएँ समाप्त हो जाती हैं। जिस वेदना को उसने न सहा हो, न भोगा हो उसे अनुभव करना अपवाद ही हो सकता है। जिस व्यक्ति ने अपने जन्म से न ग़रीबी देखी हो, न भोगी हो, वह उसे समझ ही नहीं सकता। इस देश के ग्राम्य जीवन को जिसने भोगना तो दूर, निकट से देखा तक न हो, वह उसे समझ ही नहीं सकता।

कच्चे घरों व झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालों को छोड़िये, हमारे देश में तो खुले आकाश के नीचे नंगे, अधनंगे लोग भी रहते हैं। परिवार पलते हैं, प्रसव होते हैं, पालन–पोषण होता है। वहीं बालपन बीतता है, युवावस्था भी आती है और बुढ़ापा भी। मौत भी आ जाती है, अचानक कभी भी। दवा–दारू व उपचार के नितांत अभाव में कहीं बिलखता बालक, कहीं तड़फता युवा और कहीं असहाय बुढ़ापा अभी भी देखा जा सकता है। क्या संपन्न व्यक्ति कभी उस हाल में रहा है, यदि नहीं तो वह उसे मात्र देखता भर है, कुछ तो देख भी नहीं पाते, मात्र देखने का ढोंग करते हैं। पशुओं के ही नहीं स्वयं के चारों ओर मल–मूत्र और कीचड़ की सड़ांध में पलते कीड़े–मकोड़ों की तरह जीते हैं। अपने ही शहरों में आज भी सड़क के किनारे कड़कड़ाती सर्दी में मज़दूर के नवजात भूखे–नंगे शिशु को, कपड़े की झोली में झुलाते–बहलाते देखा है। क्या संपन्न व्यक्ति ने उस अनुभव को भोगा है, भोगा न सही, क्या उसे निकट से अनुभव किया है। सिनेमा व नाटक में अभिनय को देखकर उसकी सहानुभूति एक अस्थायी भावना मात्र है जिसका कोई स्थायी प्रभाव नहीं होता।

लेखक की पीढ़ी के जो लोग हैं वे जानते हैं कि सड़क, पानी–बिजली के बिना ग्राम्य जीवन कैसा था। बरसात में केलू सँवारे जाते थे, गाँव में खजूर का पंखा था और गीले तौलिये का एयर कंडीशनर। मोबाइल फोन टी.वी., कम्प्यूटर कुछ भी नहीं था। वाहन के नाम पर खुद के पाँव, बैलगाडी, घोड़ा, ऊँट थे। शुद्ध मिट्टी, पानी, हवा तो थे मगर कीचड़, गंदगी तो थे ही, धूल भी उड़ती ही थी।

भारत के ग्राम्य जीवन व गरीबी की झलक इस कारण वर्णित है कि क्या हमारे नेता उस जीवन को जीकर निकले हैं। क्या उन्होंने कठोर परिश्रम कभी किया है यदि नहीं तो आज वे सफल नेता नहीं हो सकते। हाँ आज उन्हें सपन्न नहीं होना चाहिये अन्यथा गरीबी याद नहीं रहती।

छोटे–छोटे स्तरों पर भी वही बात लागू होगी जो बड़े स्तर पर लागू होती है। सामानंतर हमारे शीर्षस्थ नेता प्रधानमंत्री होते हैं। इनमें गरीबी देखे प्रधानमंत्री भी है और सम्पन्नता में जिये प्रधानमंत्री भी। प्रधानमंत्री नेहरू, राजीव गाँधी और श्रीमती इंदिरा गाँधी संपन्नता में जिये थे। नरसिंहा राव भी अपेक्षाकृत संपन्न रहे थे। इन सभी ने बड़े–बड़े काम किये। पं. नेहरू ने भाखड़ा नांगल जैसे विशाल बाँध, दुर्ग–भिलाई जैसे स्टील के कारखाने, इसरो, आइ.आइ.टी., आइ.आइ.एम. आदि अनेक कल कारखाने व संस्थान प्रारंभ किये। श्रीमती गाँधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति, बांग्लादेश का निमार्ण आदि कार्य संपन्न किये। राजीव गाँधी ने देश में कम्प्यूटर का प्रयोग प्रारंभ किया। नरसिंहराव ने उदार आर्थिक नीति अपनाई जिसमें उनके वित्तमंत्री मनमोहन सिंह (जो बाद में प्रधानमंत्री भी रहे) का भी योगदान रहा। कई अन्य प्रधानमंत्री भी रहे, परंतु, या तो वे अल्पकालिक थे या अंतराल को भरने की प्रक्रिया में रहे। इन सभी का योगदान भारत के विकास में सदैव याद रहेगा। परंतु यह भी सत्य है कि ये सभी गाँव के किसान–मज़दूरों की व्यथा नहीं दूर कर पाये। गाँव की गंदगी की तरफ इनका ध्यान कम गया। देश में पक्षपात रहित समाज की तरफ ध्यान कम गया जो प्रारंभ से ही नासूर बन गया । प्रमुखतः औधोगीकरण की तरफ ध्यान केन्द्रित रहा। अन्य प्रधानमंत्री भी इसी धारा में बहे।

अनेक बलिदानी नेताओं का, शहीदों का उल्लेख नहीं हुआ है क्योंकि इस लेख का उद्देश्य प्रमुखतः निर्धन नेता के नेतृत्व की चर्चा करता था । परंतु नेता जी सुभाष बोस का निस्वार्थ अमर बलिदान तो स्मरण करना ही होगा। महात्मा गांधी ने तो अपना उत्तरार्द्ध जीवन एक संत महात्मा, एक फ़कीर की भांति जिया ।

कुछ प्रधानमंत्री पूर्णतः ग्रामीण परिवेश से आये थे, इनमें लालबहादुर शास्त्री, अटल विहारी वाजपेयी, व नरेन्द्र मोदी प्रमुख हैं। अटल जी उस गांव के मूल निवासी हैं जहाँ मानव को कठिनतम परिस्थितियों से गुज़रना पड़ता था । भीषण गर्मी व सर्दी, बाढ़ से ग्रस्त ग्राम्य जीवन था। गहरे कुओं से पानी मिलता, और कठोर परिश्रम से जीविका चलती । ग्राम्य जीवन की सभी विषमताओं से जूझता वह गाँव था बटेश्वर (वाया बाह) जिला आगरा, उत्तर प्रदेश। गाँवों में आवागमन के साधन नहीं थे अतः उन्होंने सड़कों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया । जगमगाते राष्ट्रीय राज्य मार्ग उनकी सोच की देन है। हमारे देश को सारा विश्व एक दुर्बल देश मानता था तो पोकरन में परमाणु बम विस्फोट कर यह भ्रम मिटाया। राष्ट्रभाषा हिंदी को बल दिया। उनसे भी पूर्व लाल बहादुर शास्त्री भी गरीबी से निकले थे। पढ़ने हेतु तैरकर जाते थे, कभी–कभी नाव के किराये के पैसे भी नहीं होते थे। दुर्भाग्य से उनका निधन शंकास्पद परिस्थिति में ताशकंद में हो गया। उन्होंने जय जवान–जय किसान का नारा देकर देश की सेना व किसान को सशक्त बनाया और पाकिस्तान को शिकस्त दी। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अति निर्धन परिवार से निकले। यही कारण है कि वे इस देश की आम गरीब जनता की नब्ज को समझते हैं। वे कई कार्य जो स्वतंत्रता के ठीक बाद हो जाने चाहिये थे, कर पाये हैं। उनके कार्य देश की एकता और अखण्डता, समृद्धि एवं सफलता, समानता एवं एक रूपता की दिशा में हो पाये हैं।

एक शर्त और है हमारा नेता निर्धनता भोगा हुआ तो हो ही, वह कालांतर में अकूत सम्पत्ति का यदि स्वामी हो जाता है तो फिर उसका नेतृत्व स्वार्थ से प्रेरित हो जाता है। पंच से लेकर मंत्री, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री पर संपत्ति संग्रह के आरोप लगते रहते हैं। यूँ तो विपक्ष प्रत्येक नेता को आरोपित करता है परंतु कुछ नेताओं पर तो वह प्रत्यक्ष प्रमाणित दिखाई देता है। इसका कारण सत्ता लिप्सा, संपत्ति लिप्सा, दलीय स्वार्थ व खर्चीले चुनाव बन जाते हैं। अतः आवश्यक है कि निर्वाचन व्यवस्था ऐसी हो कि निर्धन भी चुनाव लड़ सके और निर्धन रह कर भी देश का नेतृत्व कर सके। शास्त्री जी, अटल जी योगी तथा मोदी ऐसे ही नेताओं में से हैं जो निर्धन थे व निर्धन रहे या हैं। कुछ अन्य पक्ष विपक्ष के नेताओं ने भी निर्धन परिवार से आने, निर्धन रहने, अथवा निरंतर पूर्ववत रह कर ख्याति अर्जित की है निर्धनता से उठकर नेतृत्व देते रहने और सफल रहकर उत्कर्ष पाने वाले कई नेता हैं, परंतु बाद में उनके पास अकूत सम्पत्ति आ गई और निश्चय ही उनके नेतृत्व की धार कुंठित हो गई। धन–बल, बाहुबल के आधार पर उन्होंने भले ही अपना वर्चस्व कायम रखा हो परंतु एक ईमानदार, निष्ठावान नेता की उनकी छवि नहीं रह पाई । प्रारम्भ में और बाद में कुछ समय तक वे भले ही छाये रहे हों परंतु एक सर्वमान्य जननायक के रूप में उनकी छवि नहीं रह सकी, अथवा नहीं रह सकेगी। सारांश यह है कि वही नेता देश को सही नेतृत्व दे सकता है जो देश को हर दष्टि से समझता हो और नेतृत्व दे सकता है जो देश को हर दष्टि से समझता हो और नेतृत्व के कारण संपन्नता अर्जित न करे। निश्चय ही निर्धनता को जीने वाला, भोगने वाला, जो निर्धनता के दंश को उसके सभी रूपो में देख चुका हो, वही देश को सही नेतृत्व व सही न्याय देने में अधिक सफल रहकर अनंतकाल तक देश के इतिहास में जननायक, राष्ट्रनायक कहलाने का अधिकारी रहता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। विश्वास किया जा सकता है कि महात्मा गाँधी, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. अबदुल कलाम व पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार घटेल भी इसी क्रम में सदैव स्मरण किये जाते रहेंगे।

अनेक बलिदानी नेताओं का, शहीदों का उल्लेख नहीं हुआ है क्योंकि इस लेख का उद्देश्य प्रमुखतः निर्धन नेता के नेतृत्व की चर्चा करता था । परंतु नेता जी सुभाष बोस का निस्वार्थ अमर बलिदान तो स्मरण करना ही होगा। महात्मा गांधी ने तो अपना उत्तरार्द्ध जीवन एक संत महात्मा, एक फ़कीर की भांति जिया । न्याय सभी भांति समर्थ एवं अत्यंत लोकप्रिय होने के उपरांत भी उन्होंने कोई पद ग्रहण नहीं किया। हमारे राष्ट्र नायकों, जन नायकों को, स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों को कृतज्ञ राष्ट्र का कोटिशः नमन।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

मानव जीवन के कुछ रहस्य और उनको प्रकट करता विज्ञान

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

- **आंखों से स्वादिष्ट खाद्य वस्तु देखकर मुहं में लार बनना, काँटा या सुई चुभने पर उसकी खबर मष्तिष्क को सेकंड के सूक्ष्यतम समय में लगना रहस्य ही है**

मानव जीवन बड़ा रहस्यमय है ज्रीवन के उद्गम से लेकर विकसित होकर शरीर रूप धारण कर लेता है। शरीर के विकास के साथ ही शनैः शनैः स्त्री के शरीर में भी अनेक बदलाव होते हैं। जिनमें स्तन ग्रंथिओं की वृद्धि ,उनमे दूध संश्लेषित करने वाले ऊतकों और दूध नलिकाओं का विकास प्रमुख बदलाव हैं। दूध संश्लेषित करने वाले ऊतकों को अल्विओली कहते हैं। परन्तु इनमे दूध बनाने की प्रक्रिया गर्भकाल के 16 सप्ताह उपरांत कुछ कुछ आरम्भ हो जाती है परन्तु शिशु के जन्म लेते ही दूध निर्माण द्रुत गति से होने लगता है । इसका मुख्य कारण होता है कुछ नलिकाविहीन ग्रंथिओं के स्त्राव जिनको हॉर्मोन कहते हैं, का प्रभाव । मष्तिष्क में उपस्थित एक छोटी मटर के दाने के आकार की एंटीरियर पिट्यूटरी ग्रंथि अपने हॉर्मोन द्वारा प्रजनन तंत्र पर वांक्षित स्त्राव स्त्रावित करने का प्रभाव डालती है।

स्त्री की ओवरी (अंडाशय) से स्त्रावित होने वाले हॉर्मोन के नाम हैं ; एस्ट्रोजन ,प्रोजेस्ट्रोन। वहीं एक और पिट्यूटरी ग्रंथि का हॉर्मोन प्रोलैक्टिन भी दूध स्त्रवन अथवा निर्माण के लिए उत्तरदायी होता है। ये सभी हॉर्मोन दुग्ध ग्रंथिओं की वृद्धि और उनमें दूध निर्माण की क्रिया में सहायक होते हैं । शिशु जन्म उपरान्त दूध का स्त्रावित होना आरम्भ हो जाता है जो प्रोलैक्टिन हॉर्मोन और प्रोजेस्ट्रोन के सम्मिलित प्रभाव से ग्रंथिओं में संश्लेषण शिशु के दूध पीने तक की अवधि तक जारी रहता है । इसको जारी रखने में कार्पस लुटेम से स्त्रावित प्रोजेस्ट्रोन हॉर्मोन की सक्रियता होती है। रक्त में अधिक प्रोजेस्ट्रोन की मात्रा से ही स्त्री शिशु को दूध पिलाने की अवधि में गर्भित नहीं होती।

विज्ञान ने एंडोक्रिनोलॉजी और फिजियोलॉजी के क्षेत्रों में सतत अनुसंधान से गर्भकाल और उसके पश्चात् दुग्ध स्त्रवण काल के लगभग सभी रहस्यों को समझ लिया है। होर्मोनस सभी ग्रंथिओं द्वारा सीधे रक्त में छोड़ दिए जाते हैं। इनको ले जाने के लिए कोई नलिकाएं नहीं होती। रक्त से ही शरीर में फैल कर जहाँ उनका कार्य होता है वही आघात करते हैं अन्य जगह नहीं। यह है कमाल उस रचियता का जिसने देह का निर्माण किया।

मानव शरीर में दूसरा प्रमुख संस्थान पाचन प्रणाली का है। लगभग 30 फ़ीट लम्बी पाचन प्रणाली में आमाशय, यकृत, पित्ताशय, छोटी आंत, बड़ी आंत (कोलोन), और मलाशय मुख्य अंग हैं जो प्रणाली में एक के बाद दूसरे से जुड़े प्रतीत होते हैं। संसथान तो एक ही है परन्तु ऊतकों के विभेदन से सभी अंगों के अलग–अलग कार्य हैं विभिन्न प्रत्यंगों में पाचन भी भिन्न भिन्न एन्ज़ायमों द्वारा होता है। इन क्रियाओं में किसी भी एंजाइम का अन्य किसी से कोई अंतर्द्वंद नहीं होता, एक ही समय सभी उपस्तिथ एंजाइम अपने विशिष्ट खाध अवयव पर ही क्रिया करते हैं ।

भोजन को शनैः शनैः संस्थान में आगे भेजने के लिए आँतों की क्रिया को पेरिस्टॉलसिस मूवमेंट /गति कहते हैं। परन्तु आँतों की यह गतिशीलता किस कारण होती है? मुझे नहीं मालूम। मेरे विचार से आँतों में ऐसी भोजन को आग धकेलने वाली गति गर्भ काल में ही आरम्भ हो जाती है। लेकिन इसको आरम्भ करने और जीवन पर्यन्त जारी रखने का कार्य किस कारण होता है? इसका रहस्य भी मुझे पता नहीं । आँखों से स्वादिष्ट खाद्य वस्तु देखकर मुहं में लार बनने लगना, कभी केवल सूघने व् सुनने मात्र से ही अमुक वस्तु खाने की इच्छा उत्पन्न हो जाना, यह सिद्ध करता है कि यद्यपि आँख, कान, नाँक पाचन प्रणाली के अंग नहीं हैं फिर भी किसी न किसी विधि से उससे उत्साहित तो होते ही हैं। स्पर्श अथवा त्वचा का भी पाचन और प्रजनन संस्थानों से किसी प्रकार सम्बन्ध तो है ही, सब जानते है।

मुहं में जिव्ह्या से लेकर आखिर में मलद्वार तक संस्थान तो एक ही है और उसको निर्मित करनेवाली मांसपेशियां व् ऊतक भी समान न होकर भिन्नता होने से सब के कार्य अलग अलग कैसे निर्मित हुये? पाचन प्रणाली में बड़ी आंत (कोलोन) का पाचन में कोई योगदान नहीं फिर भी वहां अनेक प्रकार के लाभदायक जीवाणु पनपते रहते हैं जो आहार में मौजूद फाइबर को किण्वित (फरमेंट) कर कुछ अम्ल पैदा करते हैं। वे आहार के कैल्शियम आदि खनिजों को घुलनशील बना कर अवशोषित करने लायक बना देते हैं। कहाँ से आते हैं ये जीवाणु रहस्य ही है।

इन दो संस्थानों के अतिरिक्त मानव शरीर के विसर्जन संस्थान, हृदय और रक्त संचरण संसथान, मष्तिष्क व् नाड़ी संस्थान अन्य प्रमुख प्रणालियाँ भी हैं। पैर की अंगुली में काँटा या सुई चुभने से उसकी खबर मष्तिष्क को सेकंड के सूक्ष्तम समय में पता हो जाती है और फलस्वरूप शरीर तत्काल प्रतिक्रिया कर तुरंत पैर हटा लेता है। शरीर के भीतर की संचार प्रणाली इतनी सशक्त और गतिशील कि कल्पना से परे। यह विषय नर्वस सिस्टम के अंतर्गत आता है।

उपरोक्त वर्णित सभी उपक्रम छोटे से छोटे जीव, पशु, पक्षी, कीट, आदि में भी ये सभी प्रणालियां विध्यमान होती हैं। मानव मस्तिष्क भी एक अजूबा अंग है, इसमें आठ भाग होते हैं जिनके कार्य, खाने, बोलने, सुनने, देखने, सूंघने और स्पर्श अनुभव करने के होते हैं। इनके अलावा किसी भी बात अथवा घटना की याद वर्षो संजोये रखना भी एक अजूबा है इस याद को आवश्यकता होने पर रिकॉल भी किया जा सकता है। भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में मैंने एक बार लगभग 50 वर्ष पूर्व बंदरों के मष्तिष्क के कार्यों पर अनुसन्धान होते देखा था। जिनके खोपड़ी में जगह जगह इलेक्ट्रोड लगे थे। खीरा के टुकडे डालते ही बंदर दोनों हाथ से खीरा उठाकर खाना शुरू का देते और उनके मष्तिष्क का एक निर्धारित इलेक्ट्रोड जब स्विच ऑफ करते, बंदर खाना भूल जाता, खीरा हाथ में पकडे ही हाथ मुहं तक न जाकर बीच में ही रुक जाता। पुनः इलेक्ट्रोड ऑन करते ही बंदर खाना फिर शुरू कर देता। इस प्रकार के अनेक अनुसन्धान एम्स में होते रहते हैं ।

अभी शरीर की अनेक जटिलतायें रहस्य बनी हुई हैं। सबसे विलक्षण काम आत्मा का शरीर में प्रवेश कराना है जो विज्ञान के लिए दूर की कौड़ी ही नहीं असंभव भी है । मानव को सदैव प्रकृति से निकटता बनाकर रखना श्रेयकर रहता है। साथ ही आध्यात्म की रहस्यमयी क्रियायें और उनके शरीर में दृष्टिगोचर होते प्रभाव की गुत्थी भी अभी तक नहीं सुलझ सकी है। जब तक ऐसे सभी रहस्यों से पर्दा उठे तब तक विचार करते रहिये और शरीर रचनाकार का आभार जताते रहिये, वही सबका मालिक कभी मानव को शायद सक्षम बनाये कि कुछ और रहस्यों को उद्घाटित किया जा सके? मुझे आप जैसे लोगों से प्राप्त टिप्पणियां एक अच्छा अवसर प्रदान करती हैं ।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एमपीयूएटी , उदयपुर

उम्मेद भवन पैलेस टीम ने जीता पोलो कप फाइनल

- **टीम के धुव्रपाल गोदारा ने किए दस गोल**
- **विपक्षी मेयो कॉलेज टीम के योगेश्वर सिंह व पेपसिंह ने भी किया शानदार प्रदर्शन**

उम्मेद भवन पैलेस होटल के जनरल मैनेजर एवं मुख्य अतिथि मनु शर्मा ने विजेता खिलाडियों को कप व ट्रॉफियां प्रदान की।

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे 23वें जोधपुर पोलो सीजन 2022 में शुक्रवार को उम्मेद भवन पैलेस कप अरीना पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल उम्मेद भवन पैलेस व मेयो कॉलेज के बीच दोपहर 3.30 बजे खेला गया।

समान हैण्डीकेप की दोनों ही टीमों के खिलाडियों ने इस मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उम्मेद भवन पैलेस टीम ने विपक्षी टीम मेयो कॉलेज को नौ के मुकाबले तेरह गोल कर चार गोल के अन्तर से हराते हुए कप जीत लिया। मैच के दौरान उम्मेद भवन पैलेस होटल के जनरल मैनेजर मनु शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मैदान में उपस्थित थे जिन्होंने गेंद फेंककर खेल शुरु करवाया व मैच समाप्ति पर विजेता खिलाडियों को कप व ट्रॉफियां प्रदान की। मैदान में उपस्थित मेहरानगढ बैण्ड और 1 मैक आईएनएफ (1 मद्रास) पाईपर एण्ड ड्रम बैण्ड ने मैच से पूर्व व मैच के दौरान अपनी सुमधुर सुर लहरियों से अपनी बेहतरीन कला का प्रदर्शन किया।

जोधपुर पोलो एवं इस्क्स्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव जंगजीत सिंह ने बताया कि उम्मेद भवन पैलेस टीम की ओर से खेलते हुए टीम के अनुभवी खिलाडी तीन हैण्डीकेप के ध्रुवपाल गोदारा ने मैच की शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाते हुए कुल दस गोल किए। गोदारा ने पहले व चौथे चक्कर में एक–एक गोल व दूसरे व तीसरे चक्कर में चार–चार गोल किए। टीम में उनके साथ खेल रहे युवा खिलाडी साविर मेहराज गोदारा, जो कि ध्रुवपाल गोदारा के ही पुत्र हैं, ने भी पहले चक्कर में दो व दूसरे चक्कर में एक गोल किया। मुकाबले में मेयो कॉलेज के योगेश्वर सिंह ने पहले चक्कर में एक व दूसरे व तीसरे चक्कर में दो–दो गोल किए। पेपसिंह भलासरिया ने पहले व तीसरे चक्कर में एक–एक गोल व चौथे चक्कर में दो गोल किए।

कम पानी में कारगर है जोजोबा की खेती

- **परम्परागत फसलों की तुलना में कम खर्च**
- **पौधा दो से 55 डिग्री तापमान सह सकने में सक्षम**
- **जोजोबा के बीज से 45 से 55 प्रतिशत तक तेल मिलता है**
- **सरकार भी इसकी खेती को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान देती है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। किसान करणवीर सिंह जोजोबा की खेती से चार बीघा में 10 से 12 क्विंटल तक पैदावार ले रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। पानी की कमी वाले क्षेत्रों में जोजोबा की खेती कारगर सिद्ध हो रही है। परम्परागत खेती की तुलना में किसानों को अधिक लाभ मिलता है। जोजोबा का पौधा दो से 55 डिग्री तापमान सह सकता है। किसान को पांचवें साल में फल मिलता है। जहां पानी रुकता है, वहां जोजोबा का पौधा विकसित नहीं हो पाता। एक नर के अनुपात में 10 मादा पौधे लगाए जाते हैं।

3 से 5 मीटर तक की ऊंचाई वाले इस पौधे की आयु 200 वर्ष होती है। यह सदाबहार पौधा है जो बहुत ही धीमी गति से विकास करता है। इसके बीज में 45 से 55 प्रतिशत तक तेल मिलता है। जोजोबा का तेल अत्यधिक गुणवतापूर्ण होता है। जोजोबा के तेल का उपयोग सौंदर्य प्रसाधन बनाने में होता है। तेल निकालने के बाद बचे मैटीरियल को सल्फर से ट्रीट करने पर ल्यूब्रिकेंट बनता है। जिसका उपयोग मशीनों व हवाई जहाज में होता है। राजस्थान जोजोबा के कुल उत्पादन का 80 से 90 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सरकार भी इसकी खेती को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान देती है जो कि 45 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर है। किसान ने वर्ष 2006 में इसकी शुरुआत की थी। पांच वर्ष बाद पौधों में फल लगने की शुरुआत हुई। शुरुआती दो सालों तक पैदावार कम रही। पौधों के परिपक्व होने पर पैदावार भी बढ़ रही है।

जयसमंद अभयारण्य में जल्द शुरू होगी जीप सफारी

उदयपुर, (कासं)। जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य में पर्यटक अब शीघ्र ही जीप सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे। इससे न सिर्फ जयसमंद अभयारण्य के आस–पास निवासरत लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी हो सकेगा।

शुक्रवार को सीसीएफ आर. के. खैरवा ने वाहन मालिकों, होटल एसोसिएशन एवं पर्यावरण प्रेमियों की एक महत्वपूर्ण बैठक वन भवन परिसर स्थित सभागार में लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जीप सफारी के लिए सरकार द्वारा तय किए गए नियमों की सभी को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहन का फॉर बाय फॉर होना अनिवार्य है। इसके अलावा वाहन पेट्रोल, सीएनजी अथवा इलेक्ट्रिक होना चाहिए एवं डीजल वाहन किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। फिलहाल अधिकतम 64 वाहन जीप सफारी के लिए लगाए जाएंगे एवं वाहनों की बुकिंग के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध होगी। सीसीएफ ने सभी पदाधिकारियों से जयसमंद जीप सफारी के लिए अनुमानित दर पूछी और प्रस्ताव बनाया। उन्होंने यह भी बताया कि जीप सफारी के लिए गाइड्स की ट्रेनिंग का कार्य भी किया जाएगा।

कक्षा 4 व 5 के विद्यार्थियों को नहीं आता हिंदी की किताब पढ़ना

- **पांचवीं बच्चे भी नहीं सुना पाए 10 तक के पहाड़े**
- **45 में से 23 विद्यार्थी मिले उपस्थित, 2:15 बजे तक भी उपस्थिति रजिस्टर में नहीं दर्शाई**

मसूदा, (निसं)। मसूदा ब्लॉक का मुख्य शिक्षा अधिकारी क्षेत्र अधीन 2 विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को हिंदी की किताब पढ़ना नहीं आना एवं 10 तक के पहाड़े नहीं आने सहित विभिन्न प्रकार की व्याप्त अनियमितताओं को देखते हुए इन विद्यालयों में किस प्रकार की पढ़ाई होती होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

उपखंड अधिकारी डॉ.संजू मीणा द्वारा शुक्रवार को संबंधित विद्यालयों के किए गए निरीक्षण के दौरान इस प्रकार की अनियमितताएं सामने आई। उपखंड अधिकारी डॉ. संजू मीणा ने शुक्रवार को रा.प्रा. विद्यालय डांगेश्वर कॉलोनी, मसूदा एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय रेबारियों की ढ ाणी, मसूदा का औचक निरीक्षण किया। उपखंड अधिकारी द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान रा.प्रा. विद्यालय डांगेश्वर कॉलोनी, मसूदा में विद्यार्थी अव्यवस्थित ढंग से तथा झुण्ड में बैठे मिले। उपखंड अधिकारी डॉ संजीव मीणा द्वारा विद्यार्थियों का अध्ययन स्तर जांचने पर कक्षा 4 व 5 का अध्ययन स्तर जाँचने पर छात्र एवं छात्राओं को हिन्दी की किताब नहीं पढ़ना सामने आया साथ ही विद्यार्थियों को 1 से 10 के पहाड़े भी सही ढंग नहीं से बोल पाए।

छात्रों का नामांकन जांच करने पर भी कुल 45 में से 23 छात्र–छात्राएं उपस्थित पाये गये। इसी प्रकार रा.प्रा. विद्यालय रेबारियों की ढ ाणी मसूदा में विद्यार्थी अव्यवस्थित ढ ंग से तथा झुण्ड में बाहर घूमते पाए गए वही अध्यापक का कक्षा कक्ष में अकेले बैठे होना पाया गया। निरीक्षण समय दोपहर 2:15 बजे तक विद्यार्थियों की भी विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजिका में उपस्थिति में दर्ज नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं मिली।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 10 दिसम्बर, 2022

पौष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, आर्द्रा नक्षत्र सांय 5:42 तक, शुक्ल योग रात्रि 4:25 तक, गर करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–वृष, बुध–धनु, गुरू–मीन, शुक्र–धनु, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज रवि पुष्य योग रात्रि 8:36 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:36 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 3:01 से रविवार सांय 4:15 तक रहेगी।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:36 से 9:44 तक, चर 12:14 से 1:37 तक, लाभ–अमृत 1:37 से 4:12 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:09, सूर्यास्त 5:30

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में परिजनों से सहयोग मिलेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटके हुए कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना राहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का हुआ समापन

राजसमंद/उदयपुर, (कासं)। यदि हमें भारत को आने वाले पच्चीस सालों में एक विकसित राष्ट्र और महाशक्ति बनाना है तो हम सबको दोहरी जिम्मेदारी निभानी होगी। एक ओर हमें उन योजनाओं और कदमों की जानकारी हासिल करनी होगी, जिनकी सहायता से देश के विकास का लक्ष्य पूरा किया जाना है, वहीं हमें इन जानकारियों को जरूरतमंदों तक पहुँचाना भी होगा। हम सब लोग मिलकर प्रयास करेंगे तो

■ **योजनाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारीः चौधरी**

निश्चित रूप से 2047 तक भारत विश्व की एक बड़ी महाशक्ति के रूप में उभरकर सामने आएगा।

यह उद्गार जिला परिषद राजसमंद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्साह चैधरी ने व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से राजसमंद शहर मे स्थित गायत्री शक्तिपीठ के सभागार में आयोजित अमृतयात्रा (इंडिया एट 2047) मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के अंतिम दिन आयोजित समापन समारोह

राजसमंद में केन्द्रीय संचार ब्यूरो की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा (बीच में), सीएमएचअ प्रकाश शर्मा (दाएं से चौथे) मौजूद रहे।

में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर मंच पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर प्रकाश शर्मा, बैंक प्रबंधक सुरेश उपाध्याय, सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा, कृषि अधिकारी उद्यान विभाग प्रकाश चंद्र पारीक, कृषि अधिकारी कृषि विभाग लोनचंद लोहार, महिला पर्यवेक्षक मीना लोहार, आईसी समन्वयक दिलीप श्रीमाली, सेठ मथुरादास बिनानी राजकीय महाविद्यालय नाथद्वारा की सहायक प्रो. चार्मी लखारा, सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय महाविद्यालय राजसमंद की प्राचार्य निर्मला मीणा शिक्षा विभाग के राजेश गुर्जर एवं हनसा गुर्जर आदि उपस्थित थे।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश शर्मा ने कहा कि राजसमंद जिले में आयुष्मान भारत के तहत जिले में पाँच लाख हजार परिवारों के कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें से अभी तक 96 हजार से अधिक लोगों का केवाईसी वेरीफिकेशन कर लिया गया है उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश में ही नहीं देश के अन्य प्रदेशों में पाँच लाख तक का निशुल्क इलाज करने में मदद मिलेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि इसी तरह राजसमंद जिले में 16 सीएचसी और दो राजकीय महाविद्यालय सहित कुल 18 सरकारी एवं 06 निजी अस्पतालों में चिरंजीवी योजना का लाभ दिया जा रहा है इस योजना के तहत 10 लाख रुपए का इलाज किया जा रहा है एवं जिले में 2 लाख 60 हजार से अधिक परिवारों का पंजीयन कर लिया गया है। अग्रणी बैंक प्रबंधक सुरेश उपाध्याय ने कहा कि यह मल्टीमीडिया प्रदर्शनी ऐसी जानकारियों से भरपूर है।

सार-समाचार

आर्थोस्कोपी एसोसिएशन का गठन

उदयपुर, (कासं)। दूरबीन द्वारा जोड़ों की छोटे चीरे से सर्जरी को बढ़ावा देने के लिए उदयपुर के प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में आर्थोस्कोपी एसोसिएशन का शुभारंभ हुआ। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के अस्थि एवम् जोड़ रोग विभाग के मुखी डॉ. हरप्रीत सिंह को अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। डॉ रामावतार सैनी को उपाध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उदयपुर के डॉ. सूर्यकांत पुरोहित को सचिव के रूप में नामित किया गया था। डॉ. सौम्या अग्रवाल को कोषाध्यक्ष/संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। इस अवसर पर डॉ. राहुल खन्ना, डॉ. कमल अग्रवाल, डॉ. सौरभ, डॉ. विष्णु प्रताप एवं डॉ. अमृतेश सिंह उपस्थित थे। डॉ. हरप्रीत सिंह ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य मिनिमली इनवेसिव जॉइंट सर्जरी को बढ़ावा देना और आर्थ्रोस्कोपी की विभिन्न तकनीकों में युवा आर्थोपेडिक सर्जनों को प्रशिक्षित करना है।

नीमज मंदिर से जेवर व नकदी लूटी

उदयपुर, (कासं)। शहर के देवाली छोर पर पहाड़ी पर स्थित नीमज माता मंदिर का नकाबपोश बदमाश ताला तोड़ कर चांदी के छत्र, जेवरात एवं दानपेटी से नकदी लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार तडके शहर के देवाली छोर पहाड़ी पर स्थित नीमज माता मंदिर में आए छह से सात नकाबपोश बदमाश चौकीदार व पुजारी को बंधक बना धमका कर चांदी के छत्र, 105 चांदी के सिक्के, तथा दानपेटी से नकदी चुरा ले गए। घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर ठाकुर चन्द्रशील,अम्बामाता थानाधिकारी रवीन्द्र चारण, सुखेर थानाधिकारी संजय शर्मा मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण कर आवयश्क साक्ष्या जुटाए। इस मामले में पुलिस ने नीमच माता मंदिर पुजारी झंडा चौक देवाली निवासी बाबुलाल पुत्र भैराजी गमेती की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में पताचला कि रात करीब दो बजे छह से सात नकाबपोश बदमाश मंदिर परिसर में आए जहां चौकीदर को धमका कर मंदिर के सीसीटीवी केमरे तोड़ दिए तथा चेनल गेट का ताला तोड़ कर चांदी के छत्र, मुकुट, दो दान पेटियों के ताले तोड़ नकदी लूट कर मंदिर के पिछवाड़े के रस्ते से फरार हो गए। दानपेटी से नवरात्री से पूर्व नकदी निकाली गई थी। जिसमें लाखों की नकदी होने की संभावना है। इससे पूर्व नीमज माता मंदिर में वर्ष 2010, 2016 में इसी तरह की वारदात हो चुकी है। पुलिस ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर लुटेरों की तलाश शुरू की।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने कृषिमण्डी दुकान से सामन चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया। प्रकरण के अनुसार 3 दिसंबर 2022 को पीडित कांजी का हाटा सूरजपोल हाल कृषि मण्डी स्थित दुकान नं. 113 मालिक प्रकाश जैन पुत्र कालुलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि कृषिमण्डी में नेशनल कोकोनेट सप्लायर्स नाम से दुकान हैं । घटना वाले दिन सवेरे कुछ लोग गाडी लेकर आए तथा दुकान का ताला तोड़ सामान भर कर चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिलापुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर ठाकुर चन्द्रशील, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर उमरिया निवासी किशनलाल पुत्र वेसाराम, रामा रेट फला धावडी गोवर्धन विलास निवासी सुरेश उर्फ सुरेन्द्र उर्फ सुखिया पुत्र लक्ष्मण को गिरफ्तार किया। जिनसे की गई पूछताछ के आधार पर किशन के घर से चोरी किया माल तेल के पीपे, कूलर, टेबल, साबुन, खजूर की पेटी, माचिस के बॉक्स पूरा किराणा सामान बरामद किया।

ट्रेलर-ट्रक भिड़ंत में ट्रक चालक की मौत

उदयपुर, (कासं)। घासा थाना क्षैत्र में ट्रक व ट्रेलर की आमने सामने भिडंत में ट्रक चालक की मौत हो गई जबकि ट्रेलर में सवार दो जने घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर में घासा थाना क्षैत्र वीरधोलिया से घासा की तरफ जाने वाले रोड़ पर वन विभाग नर्सरी के पास ट्रक-ट्रेलर की आमने सामने भिडंत हो गई। सूचना मिलने पर घासा थानाधिकारी फैलीराम, एएसआई मांगीलाल मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से वाहन में फंसे ट्रक चालक गोवनीया भगवानपुरा थाना गंगापुर भीलवाड़ा निवासी शंकरलाल पुत्र कालु बंजारा, साथी छापलिया निवासी हेमेन्द्र सिंह पुत्र दलेरसिंह तथा ट्रेलर में सवार विष्णु को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया। हादसे में ट्रक चालक शंकर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया। वहीं मृतक शंकर का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि शंकर राजसमन्द से जलाऊ लकडी लेकर ईटभट्टों पर सप्लाई करने जा रहा था।

मंदिर में की तोड़फोड

उदयपुर, (कासं)। शहर के देहलीगेट बांस वाली गली के सामने स्थित मंदिर में घुस कर तोड़फोड़ करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में भुपालपुरा थाना क्षैत्र देहलीगेट बांस वाली गली के सामने बीमा कार्यालय के समीप स्थित अलदेव बलदेव मंदिर में घुस कर अज्ञात बदमाश ने भैरूजी मंदिर की आंगी को उकेर दिया तथा कुछ तोडफोड़ की। दूसरे दिन इसकी जानकारी मिलने पर छबीला भैरूमार्ग धानमण्डी निवासी मुकेश पुत्र देवकरण जैन की रिपोर्ट पर भुपालपुरा थान पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

फरार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। दुकान से नकदी चोरी कर सूरत से से भाग कर आए आरोपी को सायरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 7 दिसंबर को गुजरात के सुरत में सायरा निवासी भावेशभाई पुत्र पुखराज जैन ने पुलिस थानेमें एक रिपोर्ट दी कि सुरत शहर में न्यू टीटी मार्केट मेंसड़ी काकारोबार करता हूं।2 दिसंबर को दुकान बंद कर दूसरे दिन सवेरे दुकान पर गया तो टेबल की ड्रोवर का ताला टूटा हुआ था एवं उसमें रखे 4 लाख 70 हजार 617 रूपये नकदी गायब थी। इस मामले में किए गए अनुसंधान में पड़ोस में काम करने वाले पालछा थाना सायरा निवासी करणसिह पुत्र भंवरसिंह खरवड के रूप में पहचान हुई। इस मामले में सुरत शहर से एएसआई मनसुखभाई मय जाप्ता सायरा पहुंचे।

तीन दिवसीय वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल16 से

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में संगीत के महाकुंभ के छठें संस्करण वेदांता वर्ल्ड म्यूज़िक फेस्टिवल के साथ जीवंत हो उठेगा। हिंदुस्तान जिंक द्वारा प्रायोजित किये जा रहे इस अंतर्राष्ट्रीय संगीत समारोह की संकल्पना और प्रोडक्शन सहर एवं सहयोग राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने किया है। इस तीन दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन 16, 17 और 18 दिसंबर को किया जाएगा।

वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल 2022 का अंतर्निहित विषय 'राजस्थान के भूले हुए संगीत वाद्ययंत्रों और परंपराओं का संरक्षण और प्रचार' है, जहां उत्सव सारंगी की प्रस्तुती पर केंद्रित होगा, जिससे युवा पीढ़ी इस ओर आकर्षित और इसके संरक्षण के लिये प्रेरित हो सके। सारंगी यूनेस्को द्वारा संरक्षित संगीत परंपरा है।हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल का यह संस्करण खास है क्योंकि कोविड महामारी के बाद यह आयोजन होगा। यह देश में लोगों के सौहार्द का उत्सव है और इसके लिए संगीत से बेहतर तरीका नही हो सकता है। हम इस उत्सव के माध्यम से राजस्थान पर्यटन विभाग और सहर के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को जारी रखते हुए प्रसन्न हैं। हिंदुस्तान जिंक और वेदांता ने हमेशा कला और संस्कृति को प्रोत्साहित और सहयोग दिया है। इस मंच के माध्यम से हमारा उद्देश्य उदयपुर को भारत की संगीतमय राजधानी बनाना है और यह उसी दिशा में एक और कदम है।गांधी ग्राउण्ड और फतहसागर की पाल पर होने वाला यह म्यूज़िक फेस्टिवल संगीत की विभिन्न श्रेणियों के 100 से भी अधिक वैश्विक कलाकारों को साथ लाएगा। उत्सव के पहले दिन कार्यक्रम का आगाज़ शाम 6 बजे से गांधी मैदान में कई प्रसिद्ध कलाकारों के साथ सारंगी की प्रस्तुती से होगा। लोक परंपरा को और आगे बढाते हुए, भारत के जसलीन औलख, परवाज जैसे प्रसिद्ध गायक लोक, सूफी और रॉक और विश्व संगीत की शैलियों में प्रस्तुति देंगे।

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अधिकाधिक ऋण प्रदान करें

उदयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष डॉ. शंकर यादव (राज्यमंत्री दर्जा) की अध्यक्षता में नेहरू सहकार भवन में आयोजित हुई। बैठक में आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश दिवाकर बैरवा, सदस्य मांगीलाल वर्मा, ओमप्रकाश जैदिया, महाप्रबंधक शीशराम चावला आदि अधिकारियों ने भाग लिया।

अध्यक्ष ने बजट एवं लक्ष्यों को बढ़ाने हेतु सभी जिलों में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न ऋण योजनाओं के माध्यम से जरूरत के आधार पर लक्ष्य आवंटित कर लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि चौपहिया वाहन के साथ ही रिक्शा, ट्रैक्टर, लघु व कुटीर उद्योगों को बढावा देने के लिए भी अधिक से अधिक लोगों को ऋण सुविधाएं प्रदान करें और विभिन्न योजनाओं में महिलाओं-युवाओ की भागीदारी सुनिश्चित हो। डॉ. यादव ने

राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग की बैठक में डॉ. शंकर यादव ने अनुजा कल्याण पर चर्चा की।

बताया कि जनजाति क्षेत्र में अनुसूचित जाति के गरीब व जरूरतमंद परिवारों के लिए एक विशेष पैकेज के रूप में योजना बनाएं। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि पहाड़ी व ग्रामीण इलाकों में अनुजा निगम का ऑनलाइन पोर्टल नेटवर्क की वजह से कार्य नहीं करता है, वहां ऑफलाइन फार्म भरवाने का कार्य शुरू करें। निगम योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु गाँव स्तर पर चौपालों का आयोजन किया जाये। उन्होंने नवीन योजनाएं शुरू करने पर जोर दिया और उदाहरण के तौर पर बताया कि जैसलमेर जिले में कैमल कार्ट योजना, यलो पत्थर की योजना, जोधपुर में हैण्डी क्राफ्ट योजना, भरतपुर क्षेत्र आचार-मुरब्बा, हाथ से बनाई का कार्य अभी भी चल रहा।

अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन : वृक्षारोपण को मनरेगा से जोड़ने का किया आव्हान

उदयपुर, (कासं)। विश्व में सूखे व बाढ़ की वैश्विक समस्या पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) एवं विश्व जन आयोग स्वीडन के संयुक्त तत्वावधान में भारत में पहली बार आयोजित विश्व जल सम्मेलन के दूसरे दिन जनजातीय उद्योग एवं विकास मंत्री अर्जुन लाल बामणिया ने संबोधित किया।

मंत्री बामनिया ने बाढ व सूखा को मानव द्वारा प्रकृति को दी गई चुनौति घोषित करते हुए पहाडों पर वृक्षों के कटाव को मृदा हस का कारण बताया। बामनिया ने वृक्षारोपण को मनरेगा से जोडने का आव्हान करते हुए बांसवाडा जिले का उदाहरण दिया जहां यह नवाचार सार्थक सिद्ध हुआ है। कुलपति प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को चार तकनीक सत्रों में 16 सब थीम पर चर्चा हुई। डॉ. इंदिरा खुराना व प्रो. मिलाप पूनिया की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. प्रेमनिवास शर्मा ने विश्व बढते मिथेन गैस प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए इसका

विश्व जल सम्मेलन में मैग्सेसे पुरस्कार विजेता डॉ राजेंद्र सिंह (बायें) ने जनजनजातीय उद्योग एवं विकास मंत्री अर्जुन लाल बामणिया (बीच में) को सम्मानित किया।

समाधान हिमालय क्षेत्र की सीढीदार खेती को बताया। मैग्सेसे पुरस्कार विजेता व सूखा एवं बाढ के विश्व जन आयोग , स्वीडन के अध्यक्ष वाटर मैन ऑफ इंडिया डॉ राजेंद्र सिंह ने माउंट सिनाइ का उदाहरण देकर वर्षा जल के प्रवाह को धीमा कर सुखाड़ की समस्या का समाधान की जानकारी दी। विश्व जन आयोग को डॉ. सिंह ने इसे आम आदमी की बुद्धिमत्ता पर विश्वास करने वाली संस्था बताते हुए नियुक्त 30 कमीशनर्स का आव्हान किया कि वे आम जन से जुड योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करें। नेपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए दीपक ग्वाली ने पारिस्थितिकी विखण्डन में औद्योगिक क्रांति की अहम भूमिका स्पष्ट करते हुंए हाइड्रो इकोलॉजिकल जोन की स्थापना को आवश्यक बताया। साथ ही जल संरक्षण से जुडे कार्यकर्ताओं से आशावादी रहने की बात कही क्योंकि किसी नवाचार परक संसाधनों को जन स्वीकृति मिलने में समय लगता है, जैसे गोबर गैस को पहले आम स्वीकृति नहीं मिली थी। युवा आंत्रप्यनोर वरुण शर्मा ने प्रति व्यक्ति बढ़ता उपभोग व पर्यावरण में परिवर्तन को भारत में जल की कमी का मूल मानते हुए भारत का 54 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को पानी की कमी से त्रस्त बताया जिसमें राजस्थान भी है। इसका समाधान वरूण ने जल वाष्प को पेयजल में परिवर्तित कर सकने वाले इजरायली पेटेंट वाल एयर वाटर कनवर्टर को बताया। माबाद पीस सेंटर एन्ड कम्युनिटी, मिस्र की मोना ने माउंट सिनाई से बहने वाले जल स्रोत के संरक्षण व पुनरूद्धार के लिए इस्राइल व फिलिस्तीन के साझा प्रयासों को जिसके सकारात्मक परिणाम से प्रेरित हो नील नदी के संरक्षण, पुनररूद्धार का कार्य किया जा रहा है।

लेकसिटी में ठंड का असर

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में ठंड अब अपना रूबाब दिखाने लगी है। बीते तीन दिनों में रात के तापमान में साढ़े तीन डिग्री की गिरावट हुई है। गुरूवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया वहीं इससे पूर्व बुधवार की रात इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ तापमान 7.2 डिग्री रहा था। दो दिनों से न्यूनतम 7 डिग्री के इर्द-गिर्द बना हुआ है। लेकसिटी में सर्दी अब परवान पर है। दिन-ब-दिन तेज ठंड का प्रकोप उदयपुर में दिखाई दे रहा है। अलसुबह चारों ओर धुंध दिखाई देने लगी है वहीं न्यूनतम पारा भी लगातार गिर रहा है। तीन दिन पूर्व न्यूनतम तापमान 11 डिग्री था क्रमशः 9.2, 7.2 व 7.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। इससे पूर्व सबसे सर्द रात छह दिन पूर्व गत 2 दिसम्बर 8 डिग्री रिकॉर्ड की गई थी। हालांकि उदयपुर में अभी तेज ठंड की यह शुरूआत है वहीं दिसम्बर के अंत तक तापमान 3 या 4 डिग्री तक रिकॉर्ड किया जाता है। बीते तीन दिनों से दिन का तापमान 25.6 डिग्री पर स्थिर रहने के बाद आज तापमान में बढोतरी हुई है। गुरूवार को अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री जिसमें आज और बढोतरी के साथ यह 26.8 डिग्री पर पहुंच गया।

सार-समाचार

कार्यशाला आयोजित

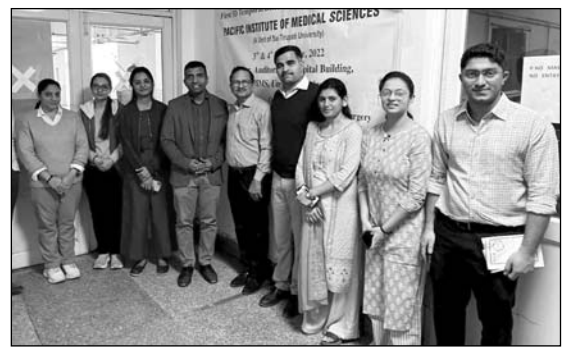

उदयपुर, (कासं)। पीआईएमएस हॉस्पिटल उमरडा में ईएनटी विभाग के द्वारा प्रथम 3 डी टेम्पोरल बोन डिसेक्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नागपुर के नू ओस्सा मेडिकुईप लिमिटेड के डायरेक्टर डॉ प्रशान एम नायक ने शहर के ईएनटी विभाग के पीजी विद्यार्थियों को टेम्पोरल बोन की एनोटॉमी व सर्जिकल महत्व के बारे में समझाया तथा इसके उपरान्त डिसेक्शन करवाया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ विरन्त छाया ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला से कान के ऑपरेशन के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया जा सकता हैं, एवं नई तकनीक का भी सफल अभ्यास किया जा सकता हैं। इस दौरान पिम्स उमरडा के चेयरमेन आशीष अग्रवाल ने प्रतिभागियों को प्रोस्ताहित किया एवं कहा कि उदयपुर संभाग में इस तरह की यह प्रथम कार्यशाला हैं।

एमपीयूएटी दीक्षांत समारोह 21को

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की अकादमिक परिषद की 60वीं बैठक शुक्रवार को कुलपति सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डा. अजीत कुमार कर्नाटक ने की। बैठक में प्रभारी कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक श्री विनय भाटी सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागों के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में आमंत्रित विशेषज्ञ शिक्षाविद के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. एस एस चहल भी उपस्थित थे। बैठक में सभी बिंदुवार मुद्दे सदन के पटल पर रखे। कुलपति ने अपनी प्रथम अकादमिक बैठक में सभी को संबोधित करते हुए अकादमिक उन्नति के लिए कृषि शिक्षा व अनुसन्धान में नवाचार अपनाने के लिए फैकल्टी को तयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने शीघ्र ही विश्वविद्यालय में नियुक्ति करने के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता यह सुनिश्चित करें कि उनके संकाय में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की सिफ़ारिशो के अनुरूप पर्याप्त फैकल्टी हो इसके लिए वे आवश्यक प्रस्ताव बना कर राज्य सरकार को भेजे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञापित शैक्षणिक और सह शेक्षणिक रिक्तियों पर शीघ्र ही नियुक्तियाँ करने की बात भी कही। प्रो चहल ने कहा कि एमपीयुएटी का सभी मोर्चो पर श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने विश्व विद्यालय की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए सभी के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

'शब्द रंग' उत्सव आयोजित

उदयपुर, (कासं)। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के नवागंतुक विद्यार्थियों का अभिनंदन उत्सव 'शब्द रंग' प्रताप गौरव केंद्र के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया वहीं वरिष्ठ मीडिया कर्मियों ने पत्रकारिता से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। 'शब्द रंग' उत्सव में कुलपति प्रो. आईवी त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता विभाग नियमित तौर पर कई गतिविधियां आयोजित करता रहता है। इससे ना सिर्फ विद्यार्थियों की प्रतिभा को नई राह मिलती है, वहीं विभाग की गतिविधियों के जरिए विश्वविद्यालय को भी एकेडमिक ऊंचाई मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने टैलेंट का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारिता में कैरियर बनाएं और समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने के लिए अपने हुनर और कलम का बेहतर इस्तेमाल करें। इस अवसर पर एफएम चैनल रेडियो सिटी के प्रोग्रामिंग डायरेक्टर रजत मेघनानी ने रेडियो पत्रकारिता के विभिन्न पक्षों को विस्तार से बताते हुए वॉइस ओवर आर्टिस्ट के रूप में कैरियर की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ कुंजन आचार्य ने अतिथियों का स्वागत एवं नए विद्यार्थियों का अभिनंदन किया।

चार विद्यार्थियों का चयन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज, डबोक में केम्पस ड्राइव द्वारा बी.टेक. कम्प्यूटर इन्जिनियरिंग ब्रांच के चार विद्यार्थियों का चयन आर्गुसॉफ्ट इण्डिया लिमिटेड में 7.12 लाख तक के सालाना पैकेज पर ट्रेनी सॉफ्टवेयर इन्जिनियर के पद पर हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. राठौड ने बताया कि आर्गुसॉफ्ट इण्डिया लिमिटेड अहमदाबाद स्थित आई.टी. सेक्टर की प्रमुख एम.एन.सी. कम्पनी हैं जो सॉफ्टवेयर डवलपमेंट टेस्टिंग मेन्टिनेंस सपोर्ट बिजनेस ऑटोमेशन, मोबाइल एप्लीकेशन, जावा, पी.एच.पी., डॉट नेट आदि सॉफ्टवेयर पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हेड अरविन्द सिंह पेमावत के अनुसार कम्पनी से आये कम्पनी ऑफिसियल एवं एच. आर. मेनेजर सर्वप्रथम पीपीटी के माध्यम से कम्पनी के बारे में विद्यार्थियों अवगत कराया। उसके पश्चात् लिखित परीक्षा, टेक्नीकल इन्टरव्यू एवं एच. आर. के माध्यम से कम्प्यूटर इन्जिनियरिंग ब्रान्च के विद्यार्थी हर्ष सोनी, मनन माथुर, रोहित सोनी एवं भवी मेहता का चयन 7.12 लाख तक के सालाना पैकेज पर किया। वित्त नियंत्रक बी.एल. जांगिड़ ने चयनित विद्यार्थियों के सवर्णिम भविष्य की कामना की।

बैंकिंग योजनाओं की जानकारी दी

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक की साकरोदा शाखा में वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन शुक्रवार को किया गया जिसमें बैंक प्रबंधक केशव दाधीच ने बैंक की विभिन्न योजनाओं यथा प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ ही बैंकिंग से संबंधित ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी प्रदान भी की गई। इस अवसर पर वित्तीय साक्षरता समन्वयक अतीक अहमद द्वारा डिजिटल बैंकिंग एवं एटीएम वैन से पैसा निकालने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इस दौरान समाजसेवी अनीता शर्मा ने स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों के बारे में उपस्थित महिलाओं को अवगत कराया गया।

नकदी से भरा पर्स चोरी

उदयपुर, (कासं)। शादी समारोह से अज्ञात चोर महिला का नकदी से भरा पर्स चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र लवकुश अपार्टमेंट फतहपुरा निवासी चयनिका पत्नी दिनबंधु वर्मा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि मेरी पुत्री का विवाह होने से 5 व 6 दिसंबर को एगेटिका रिसोर्ट दर्पण गेट के सामने शिल्पग्राम बुक करवाया था। 6 दिसंबर को समोराह के दौरान रातमें अज्ञात चोर मेरी समधन मांदा धावले का बैग चुरा ले गया। बैग में दो डेबिट व दो क्रेडिट कार्ड, 2 मोबाईल, सोने की बालिया, 25 हजार रूपये नकदी थी। इसका पता चलने पर तलाश की लेकिन सुराग नही लगने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

नं. ए.11013/2/2017-पीएमएसएसवाय IV
भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
(पीएमएसएसवाय डिवीजन)
कमरा नं.-201-डी, निर्माण भवन
नई दिल्ली-110011

जोधपुर के एम्स में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद के लिये विज्ञापन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (पीएमएसएसवाय डिवीजन) जोधपुर के आल इण्डिया इन्सटीट्यूट आफ मेडीकल साइन्सेस (एम्स) में वेतन श्रृंखला (7वें सीसीसी के अनुसार) में रूपये 1,82,200-2,24,100/-, लेवल 15 में डेपूटेशन/शार्ट टर्म कांट्रेक्ट/कांट्रेक्ट के आधार पर एक्जीक्यूटीव डायरेक्टर के पद को भरने के लिये योग्य प्रत्याशियों से आवेदन आमंत्रित करता है। और विवरण के लिये, कृपया मंत्रालय की वेबसाइट तथा डिवीजन की वेबसाइट www.mohfw.gov.in तथा http://pmssy.mohfw.nic.in पर जाये।
विस्तृत विज्ञापन एम्पलायमेन्ट न्यूज में प्रकाशित किया जायेगा। आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एम्पलायमेन्ट न्यूज में विज्ञापन प्रकाशन की तिथी से 45वें दिन होगी।
हस्ताक्षर-दिनेश कुमार
दिनांक-22.11.2022 10:54:48
कारण-स्वीकृत
(दिनेश कुमार)
संयुक्त निदेशक
फोन-011-23061730
CBC 17101/11/0014/2223

बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते डॉक्टर और दलाल गिरफ्तार

चोटों का मैडिकल मुआयना करने एवं चोटों को गंभीर प्रकृति की दर्शाने के लिये मांगी रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की भरतपुर टीम ने शुक्रवार को एएसपी महेश मीना के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाडी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उसके एक दलाल को अस्पताल में 20 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पता चला है कि ब्यूरो टीम की इस कार्यवाही के दौरान जैसे ही डॉक्टर को रिश्वत लेते पकड़ा गया तभी डॉक्टर के आप-सास खड़े लोगो ने डॉक्टर को ब्यूरो की टीम से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन इसी बीच पहाड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंच पासा पलट दिया।

पुलिस ने डॉक्टर व दलाल को छुड़ाने की कोशिश करने वालों को अपने कब्जे में लेकर रिश्वत लेने के आरोपी डॉक्टर को भागने से रोका। इस कार्यवाही के सम्बंध में एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि डॉ. मोहन सिंह वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाडी को उसके दलाल कुलदीप उर्फ कुल्ली (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से परिवादी से 20 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी भरतपुर की टीम ने पहाड़ी सीएचसी के डॉक्टर व दलाल को गिरफ्तार किया।

एसीबी की भरतपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके एवं उसके भाई की चोटों का मेडिकल मुआयना करने एवं चोटों को गंभीर प्रकृति की दर्शाने के लिये एक्स-रे एडवाईज करने की एवज में डॉ. मोहन सिंह द्वारा अपने दलाल कुलदीप उर्फ कुल्ली (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से 30 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया । जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर शुक्रवार को कार्यवाही की।

जब राजेश अपने भाई किरोड़ी का मेडिकल मुआयना करवाने गया तो उसने डॉक्टर को 20 हजार रुपए दिए। इस पर एसीबी ने दलाल कुलदीप और डॉक्टर मोहन को रिश्वत के पैसों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी के निर्देशन में आरोपीयान के निवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है।

'ऑनर किलिंग' के मामले का खुलासा

युवती का गांव के लड़के के साथ अवैध संबंध थे

धौलपुर, (निसं)। मनिया थाना पुलिस ने शुक्रवार को 3 साल पूर्व हुए सनसनीखेज ऑनर किलिंग मामले का खुलासा किया है। पुलिस अनुसंधान में पिता ही बेटी का हत्यारा पाया गया है। बेटी के प्रेम प्रसंग से परेशान होकर पिता ने गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी पिता को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

- पुलिस जांच में पिता ही बेटी का हत्यारा पाया गया
- मर्डर कर बाप ने गांव में अफवाह फैला दी बेटी की कर शादी दी

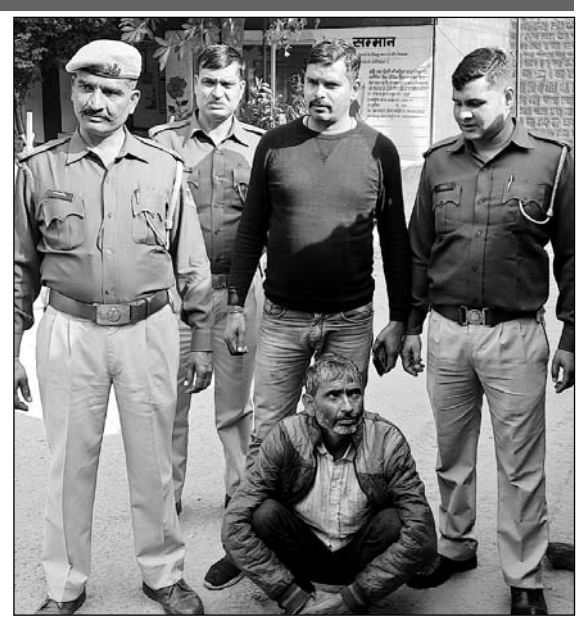

मनिया पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया।

पुलिस उप अधीक्षक दीपक खंडेलवाल ने बताया मनिया पुलिस थाने में 26/19 मर्ग 3 साल से पेंडिंग पड़ी हुई थी। मर्ग में ज्ञात हुआ कि 2 अक्टूबर 2019 को हार गांव बगचोली खार की नदी के पास अज्ञात युवती की डेड बॉडी मिली थी। जिसकी की गर्दन में चुन्नी से फंदा लगा हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी युवती की हत्या गला दबाकर करना सामने आया ।

सीओ ने बताया मुखबिर की गुप्त सूचना पर पुलिस को ज्ञात हुआ कि कौलारी थाना क्षेत्र के गांव खडगपुर से विरोगी जाटव की 18 साल की पुत्री उपासना उर्फ ममता गायब हुई है। पुलिस ने जब विरोगी को पूछताछ के लिए बुलाया तो वह फरार हो गया। ऐसे में हत्या की शक की सुई पूरी तरह से मृतक युवती के पिता पर चली गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को मजबूत कर विरोगी जाटव को उत्तर प्रदेश से नदी के पास से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया आरोपी पिता ने हत्या के एक-एक बिंदु का खुलासा कर दिया है। सीओ ने बताया 3 वर्ष पूर्व युवती उपासना उर्फ ममता गांव के युवक के साथ भाग गई थी। जो कुछ दिन बाद वापस घर लौट आई थी लेकिन युवती का गांव के लडके से प्रेम बरकरार बना रहा था । सीओ ने बताया पिता पुत्री को साथ लेकर ग्वालियर मामा के घर छोड़ आया था लेकिन इसके बावजूद भी ममता की बातें प्रेमी से हो रही थी। इसके बाद पिता ग्वालियर पहुंच गया और पुत्री को घर ले जाने के बहाने साथ लेकर चला आया।

मनिया रेलवे स्टेशन से पुत्री ममता को साथ लेकर पिता हार बगचोली खार नदी के पास पहुंच गया। जहां पीछे से घात लगाकर चुन्नी से पुत्री की गर्दन को दबा दिया। हत्या करने के बाद डेड बॉडी को नदी के पास फेंककर वापस गांव आ गया। गांव में पहुंचकर हत्यारे पिता ने बेटी की ग्वालियर शादी करने की अफवाह फैला दी। सीओ दीपक खंडेलवाल ने बताया मुखबिर की सटीक सूचना पर ऑनर किलिंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया।

आर.पी.एस.सी. ने जारी की विचारित सूची

- आयोग द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षाओं का आयोजन कराया था

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गृह (ग्रुप-1) विभाग में सहायक निदेशक (साइबर फोरेंसिक डिवीजन) तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (साइबर फोरेंसिक व पॉलीठाफ डिवीजन) पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है।

साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षाओं का आयोजन कराया गया था। संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप सहायक निदेशक (साइबर फोरेंसिक डिवीजन) पद के लिए 6 अभ्यर्थियों तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (साइबर फोरेंसिक डिवीजन, पॉलीग्राफ डिवीजन) पदों के लिए 12-12 अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है।

अटल ने कहा कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से ही साक्षात्कार के लिए परिणाम जारी किया जाएगा। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सहायक निदेशक (साइबर फॉरेंसिक डिवीजन) की परीक्षा का आयोजन 10 जून 2022 को किया गया था। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी साइबर फोरेंसिक डिवीजन की परीक्षा 11 जून 2022 एवं पॉलीठाफ डिवीजन की परीक्षा 12 जून 2022 को आयोजित की गई थी।

चूरू में अभी ठंड का अभाव

चूरू, (का.सं.)। चूरू में दिन में धूप में तेजी रहने से सर्दी का असर कम दिखाई देता है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को यहां का अधिकतम 27.4 व न्यूनतम 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यहां पर इन दिनों सुबह दिन निकलने से लेकर दस बजे तक सर्दी का असर बना रहता है। सुबह ग्यारह बजे बाद सर्दी का असर दूर होता है। शाम को छह बजने के साथ ही सर्दी का असर शुरु होता है। जो कि रात भर बना रहता है। यहां पर अभी तक हाड कंपाने वाली सर्दी का दौर शुरु नहीं हुआ है।

'नकल माफिया कांग्रेस शासन में राज कर रहा है'

- कुंआरों की शादी तुड़वाने का काम सीएम गहलोत ने किया : पूनिया

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बड़ा तंज कसते हुए कहा कि गहलोत के राज में नकल माफिया कांग्रेस शासन में राज कर रहा है। रीट की चीट के कारण जिन युवाओं की शादिया नक्की हो गई थी। वो भी परीक्षा कैंसिल होने के साथ कैंसिल हो गई। यानि कि युवाओं की शादी तुड़वाने तक का काम सीएम ने किया है।

डॉ. पूनियां शुक्रवार को झुंझुनूं विधानसभा के भड़ौंदा गांव में जन आक्रोश यात्रा के पहुंचने पर चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता विश्वंभर पूनियां, निषित चौधरी तथा राजेंद्र भांबू आदि के नेतृत्व में पूनियां का स्वागत किया गया। इस मौके पर पूनियां ने कहा कि कांग्रेस राज में हर 12 किलोमीटर पर एक अधिकारी या फिर कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़ा जा रहा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने काफी लोगों को काफी कुछ खाते देखा और सुना है। लेकिन राजस्थान में कांग्रेस छह हाथी खा गई। जिस बीएसपी ने कांग्रेस सरकार को बचाया। उसी कांग्रेस सरकार को उनकी बीएसपी, बिजली, सड़क और पानी ले डूबेगी। यह पूरा राजस्थान बोलने लगा है। इस राज में ना बी से बिजली है, ना एस से सड़क है और पी से पानी के लिए सर्दी में भी हाहाकार मचा हुआ है। मंच पर उपस्थित जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा, यात्रा विधानसभा संयोजक सुनील लांबा, विनोद झाझड़िया, राजीव चौधरी, यात्रा सह संयोजक इंद्राज सैनी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भादरमल स्वामी ने भी सभा को संबोधित किया। धन्यवाद कुलदीप सिंह काली पहाड़ी ने दिया। जबकि संचालन जिला महामंत्री सरजीत चौधरी ने किया। इनके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनवारीलाल सैनी, विकास शर्मा लोटिया, सेवाराम गुप्ता, सुलताना मंडल अध्यक्ष बलजीत शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष गोविंद सिंह राठौड़, कुलोद मंडल संयोजक अर्जुन महला, पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष असगर पहाड़ियान, युवा मोर्चा जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह शेखावत, रामनिवास सैनी, दिलीप सैनी, ललित जोशी, सरपंच चरण सिंह, भड़ौंदा कलां सरपंच, मोनिका रिया चौधरी, अभिलेख धनखड़, रणसिंह नेहरा भी मंच पर आसीन थे। सूरज सैन ने कांग्रेस सरकार की नाकामियों पर रागिनी गाई। भाजपा पदाधिकारियों व ग्रामवासियों ने भड़ौंदा कलां सरपंच के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष पूनियां का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। झुंझुनूं से भड़ौंदा कलां मार्ग पर जगह-जगह द्वार गेट लगाकर विधानसभावासियों ने प्रदेशाध्यक्ष का पुष्पमाला, दुपट्टा पहना व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

इसके पश्चात जनाक्रोश यात्रा का रथ भड़ौंदा, मरोत, हेजमपुरा, खाजपुर नया पुराना पहुंचा। जहां पर जोश खरोश के साथ ग्रामीणों के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर अरुणा सिहाग, मंजू चौहान, ममता शर्मा, सावित्री सैनी, रवि लांबा, चंद्रप्रकाश शुक्ला, शैलेश योगी किठाना, प्रधान ओमप्रकाश मुरोत का बास, जगदीश गोस्वामी, कपिल, पितराम, जलेसिंह, सांवलराम, रामनिवास, प्रभु, संजय बुडानिया, धर्मपाल, महेश शर्मा, करणीराम, ओमप्रकाश शर्मा, दयानंद, रघुवीर कड़वासरा, विजेंद्र शर्मा, योगेश हेजमपुरा, राजेश डारा, ग्राम खाजपुर में पुरुषोत्तम खाजपुरिया के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां का डीजे की धुन के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिसमें खाजपुर ग्राम वासियों ने 51 किलो की माला पहनाई। इस मौके पर सहकारी समिति के निर्वाचित अध्यक्ष हरिसिंह महला, पूर्व सरपंच श्रीराम बुडानिया, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोहरलाल खाजपुरिया, सत्यनारायण शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

जनसंवाद करने झुंझुनूं पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा जन आक्रोश यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां प्रदेशभर के तूफानी दौरे पर हैं, जहां उनके 9 दिसंबर को झुझूनूं, 10 दिसंबर को सीकर और नागौर में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश चौपालों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं व आमजन से संवाद के कार्यक्रम हैं और किसानों, युवाओं, महिलाओं के मुद्दों को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं।

वहीं अपनी दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां झुंझुनूं पहुंचे। झुंझुनूं पहुंचने पर पीरूसिंह सर्किल पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया भी थे। इस मौके पर उन्होंने शहीद पीरूसिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. पूनियां ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी का सियासी पाखंड और राजनैतिक पर्यटन है। यदि इस यात्रा से कांग्रेस भी जुड़ जाए तो गनिमत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पंच लाइन अब भारत जोड़ो नहीं, बल्कि राजस्थान को मरता छोड़ो होनी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ने राजस्थान को रहमो करम पर छोड़ दिया है। किसानों और युवाओं के साथ वादाखिलाफी, कानून व्यवस्था का चौपट होना, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर, अस्पताल में डॉक्टर नहीं, स्कूल में मास्टर नहीं। ऐसे मुद्दों पर जनता आक्रोशित थी। इस आक्रोश को और मुखर करने के लिए जन आक्रोश यात्राएं निकाली जा रही है।

पूरे राजस्थान में आमजन इन यात्राओं से जुड़ रहा है। 14 दिसंबर तक यात्राएं चलेगी। इसके बाद 20 दिसंबर तक जन आक्रोश सभाओं का आयोजन किया जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि इन यात्राओं के द्वारा हम राजस्थान में 75 हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर दो करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचे। उनके दुख-दर्द को सुने और उनके समाधान के लिए सरकार को घेरे। इससे पहले नवलगढ़ सीमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया के नेतृत्व में भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला मंत्री मंजू सैनी, जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा आदि ने पूनियां का स्वागत किया। शुक्रवार और शनिवार को पूनियां विभिन्न गांवों में जन आक्रोश यात्राओं के कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे।

- कांग्रेस की पंच लाइन अब भारत जोड़ो नहीं, बल्कि राजस्थान को मरता छोड़ो होनी चाहिए : पूनिया
- पत्रकारों से बातचीत में डॉ. पूनिया ने भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी का सियासी पाखंड और राजनैतिक पर्यटन बताया

परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह को पुष्प अर्पित करते डॉ. पूनिया।

डेढ़ हजार कर्मचारी अब बने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी

अधिकांश कर्मचारियों को उनके गृह जिले में ही पदस्थापन किया गया

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के करीब डेढ़ हजार कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत कर दिया है। खास बात ये रही कि अधिकांश कर्मचारियों को उनके गृह जिले में ही पदस्थापित किया गया है। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों में भी ज्यादातर यहीं पदस्थापित हो गए। ऐसे में पदोन्नति से इस बार कर्मचारी परेशान कम हुए हैं। इन कर्मचारियों को तुरंत नए पद पर कार्यभार ग्रहण के आदेश दिए गए हैं।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पदोन्नत कर्मचारियों की पोस्टिंग की है। शिक्षा निदेशालय के बीस से ज्यादा कर्मचारियों को पदोन्नति मिली है, उन्हें निदेशालय में ही वापस स्थान मिल गया है। इसके अलावा जॉइंट डायरेक्टर व अन्य कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को भी उसी कार्यालय में फिर से पोस्टिंग दी गई है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के गृह जिले में पदोन्नत कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन के निर्देशों की पालना नहीं हुई है। अब सिर्फ सीट व अनुभाग बदलकर इन कर्मचारियों का नया पदस्थापन किया जाएगा। आमतौर पर शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों को भी स्कूलों में भेज दिया जाता है।

- शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के गृह जिले में पदोन्नत कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन के निर्देशों की पालना नहीं हुई

प्रदेशभर में कर्मचारियों के तबादलों पर रोक रही लेकिन पदोन्नति के साथ पदस्थापन स्थान बदलने की परम्परा के चलते शिक्षा विभाग ने गांवों में बैठे कर्मचारियों को शहरों में सुविधाजनक स्थान भी दिया । खासकर महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में रिक्त पदों को भी इस पदोन्नति से भरने का प्रयास किया है। विभाग ने 22 दिसम्बर तक नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए हैं। जो कर्मचारी इस तारीख तक अपनी सीट पर नहीं पहुंचेंगे,उनका परमोशन अटक सकता है। दरअसल, इसे पदोन्नति स्वीकार नहीं करना माना जाएगा।

हाफ ईयरली एग्ज़ाम के पहले स्कूल पर ताला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के बुर्जवाला में हाफ ईयरली एग्जाम के पहले दिन स्कूल पर तालाबंदी से शिक्षा विभाग के अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। ग्रामीण स्कूल में टीचर्स नियुक्त करने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि टीचर्स नहीं होने से उन्हें परेशानी आती है। बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ता है। ऐसे में स्कूल में टीचर्स लगाए ही जाने चाहिए। सुबह बच्चे एक्जाम के लिए स्कूल पहुंचे तो ग्रामीण विरोध प्रदर्शन के लिए खड़े थे।

- अधिकारियों ने पास के स्कूलों से तीन टीचर्स डैप्यूटेशन पर लगाए

ग्रामीणों के टीचर्स नियुक्त करने की मांग करने पर प्राचार्य ने उन्हें हाफ ईयरली एग्जाम शुरू होने का हवाला दिया। शुरुआत में तो ग्रामीण तालाबंदी करने पर अड़ गए लेकिन बाद में उन्होंने स्टूडेंट्स को एग्जाम के लिए स्कूल में जाने दिया। इस दौरान ग्रामीण करीब चार घंटे तक स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन करते रहे। इसकी जानकारी शिक्षा विभाग के अफसरों को मिलने पर उसी समय पास के स्कूलों से व्यवस्था के तहत स्कूल में तीन टीचर्स डेप्यूटेशन पर लगा दिए। वहीं ग्रामीणों को दो और टीचर्स की नियुक्ति का आश्वासन दिया गया।

बुजुर्ग की मौत पर परिजनों ने अस्पताल स्टाफ से मारपीट की

नर्सिंग कर्मी के चोट लगने से गुस्साए चिकित्सा स्टाफ ने कार्य बहिष्कार किया

टोंक, (निसं)। जिला सआदत अस्पताल में उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत होने पर परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चिकित्साकर्मियों से मारपीट कर दी, जिससे एक नर्सिंग कर्मी के कान पर चोट लग गई। जिसपर चिकित्सा कर्मियों ने गुस्सा जताते हुए दो घंटे तक कार्य का बहिष्कार किया।

- मारपीट के दौरान एक नर्सिंगकर्मी के कान पर लगी थी चोट

जानकारी के अनुसार परिजनों द्वारा मारपीट के बाद कंपाउंडर बंशीवालाल बैरवा के कान में ब्लडिंग होने से गुस्साएं चिकित्साकर्मियों और हॉस्पिटल स्टाफ ने कार्य बहिष्कार कर कार्य रोक दिया। मामला बढ़ता देख अस्पताल पीएमओ मौके पर पहुंचे और उन्होंने चिकित्सा कर्मियों से समझाइस की लेकिन चिकित्साकर्मी मारपीट करने वालों पर कार्यवाही की मांग को लेकर अडे रहे और कार्य बहिष्कार जारी रखा।

सूचना पर पहुंचे कोतवाली थानाधिकारी ने भी दोनों पक्षों से बात कर समझाइश का प्रयास किया। करीब 2 घंटे बाद मारपीट करने वाले लोगों द्वारा माफी मांगने पर मामला शांत हुआ। इस तरह की पुनरावृति ना हो इसको लेकर अस्पताल प्रशासन से मांग की। इस पर पीएमओ ने उचित कार्रवाई कर अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा का इंतजाम करने की बात कही।

परिजनों द्वारा चिकित्साकर्मी से मारपीट करने के बाद अस्पताल में प्रदर्शन करते चिकित्साकर्मी।

न्यायाधीश पर कर्मचारी को बंधक बनाकर घरेलू काम कराने का आरोप

राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ ने पुलिस की ओर से मेहरा की मौत को आत्महत्या बताने को पूरी तरह से नकार दिया

जयपुर, (का.सं.)। पुलिस की ओर से न्यायिक कर्मचारी सुभाष मेहरा की मौत को आत्महत्या बताने को राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ ने पूरी तरह नकारते हुए एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन अधिकारी के घर पर ही सुभाष ने आत्मदाह किया था।

कर्मचारी संघ की ओर से कहा गया है कि एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश कोर्ट के सहायक कर्मचारी सुभाष मेहरा को जबरन अपने घर रखते थे और उससे कपड़े-बर्तन धोना, खाना बनाना और शौचालय की सफाई आदि कराने का काम कराते थे। न्यायाधीश उसे घर पर बंधक बनाकर रखते थे और उसे कभी कोर्ट नहीं आने देते थे। घटना से कुछ दिन पहले सुभाष प्रताड़ित होकर अपने घर चला गया था। जहां उसने परिजनों को वापस नौकरी पर नहीं जाने की बात कही थी। इस पर न्यायाधीश ने सुभाष चौक थाना पुलिस के जरिए उसे घर से उठवाया था। राजस्थान कर्मचारी संघ ने पुलिस जांच का खंडन करते

- संघ ने एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाये हैं

हुए कहा है कि सुभाष के हाथ पर चाकू के निशान थे, लेकिन चाकू बरामद नहीं किया गया। इसके अलावा उसके गुप्तांग पर भी चोट के निशान मिले थे। वहीं उसके शव का पोस्टमार्टम बगरू में कराया गया और वहां आखिर तक न्यायाधीश वहां मौजूद क्यों रहे। कर्मचारी संघ की ओर से यह भी कहा गया है कि सुभाष के परिजनों को उसका बिना सिम का मोबाइल लौटाया गया, लेकिन सिम आज तक बरामद नहीं की गई। वहीं मृतक के भाई से पुलिस और न्यायिक अधिकारी ने दबाव में खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। पुलिस ने सुभाष को पूर्व में सुभाष चौक थाना पुलिस की ओर से घर से उठाने की जांच भी नहीं की। इसके अलावा घटनास्थल पर पुलिस और एफएसएल की टीम एक साथ उसके परिजनों से पहले कैसे पहुंच गई। ऐसे में यह हत्या का मामला है, जिसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है। कर्मचारी संघ ने यह भी आरोप लगाया गया कि हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने चीफ जस्टिस को तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश किया है। कर्मचारियों ने गुहार लगाई है कि सीजे उनसे रजिस्ट्री की गैर मौजूदगी में मिलकर पक्ष सुने।

कोर्ट में कामकाज सुचारू कराने और आत्मदाह की जांच सीबीआई से कराने को लेकर पीआईएल पेश

जयपुर, (का.सं.)। न्यायिक कर्मचारी सुभाष मेहरा के न्यायिक अधिकारी के आवास पर कथित आत्मदाह करने की जांच सीबीआई से कराने की मांग को लेकर निचली अदालत के कर्मचारी शुक्रवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहे। वहीं अधिवक्ता पीसी भंडारी ने सामूहिक अवकाश खत्म कराने और मामले की जांच सीबीआई से कराने को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की है। याचिका में प्रमुख गृह सचिव, पुलिस कमिश्नर, राजस्थान हाईकोर्ट और सीबीआई को पक्षकार बनाया गया है। जनहित याचिका पर खंडपीठ आगामी सप्ताह में सुनवाई कर सकती है।

याचिका में कहा गया कि पिछले 18 नवंबर से शहर की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर चल रहे हैं। वहीं करीब एक सप्ताह से प्रदेश की अदालतों के सभी कर्मचारी अवकाश पर हैं। जिसके चलते अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। मृतक की बहन ने भी संबंधित न्यायिक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि हाईकोर्ट लोक अदालत लगाकर राजीनामे से मुकदमों का निस्तारण करती है, फिर इस मामले में कर्मचारी संघ के बातचीत कर समाधान क्यों नहीं निकाला जा रहा है। कोर्ट और राज्य सरकार का कर्तव्य है कि जनता को न्याय से वंचित नहीं किया जाए, लेकिन बीते करीब 21 दिनों से काम नहीं हो रहा और प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट और कर्मचारियों के बीच गतिरोध को दूर कर मामले की सीबीआई जांच कराई जाए।

जनाक्रोश यात्रा में जनता का मिल रहा जबरदस्त समर्थन : चंद्रशेखर

भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को विद्याधर नगर विधानसभा में जन आक्रोश यात्रा के दौरान जनसंपर्क किया।

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की सभी विधानसभाओं में भाजपा के कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। भाजपा जन आक्रोश यात्रा के दौरान भाजपा द्वारा जारी मिस्ड कॉल नंबर पर आम जनता द्वारा मिस कॉल कर भाग लिया जा रहा है।

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने आज विद्याधर नगर विधानसभा में जन आक्रोश यात्रा के दौरान जनसंपर्क किया, साथ ही चौपाल और नुक्कड़ सभाओं में संबोधन दिया। जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा जयपुर शहर की सभी विधानसभाओं में वार्ड बूथ तक पहुंचकर चौपाल द्वारा आमजन को राजस्थान की कांग्रेस सरकार की नाकामियों को बता रहे हैं आमजन भी जनाक्रोश यात्रा में बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता निभा रहा है। आज विद्याधर नगर विधानसभा में संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और जिलाध्यक्ष राघव शर्मा का माल्यार्पण कर जनता द्वारा स्वागत किया गया। महामंत्री चंद्रशेखर ने जनता से आव्हान किया इस निकारा, कुशासन वाली भ्रष्टाचारी, जंगलराज वाली कांग्रेस सरकार को 2023 में उखाड़ फेंकने का संकल्प लेते हैं। जनाक्रोश यात्रा के दौरान विधायक नरपत सिंह राजवी, जिला मंत्री कैलाश जटवाड़ा के साथ मंडल, वार्ड के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज प्रतियोगिता में जयपुर की अशीरा विश्वास का चयन

जयपुर,(कासं)। नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज-2022 प्रतियोगिता में राजधानी जयपुर की अशीरा विश्वास का चयन किया गया है। विश्वास एसडीआरएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुष्मित विश्वास की पुत्री है।

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार का शनिवार को नार्वे की राजधानी ओस्लो में ऐलान किया जाएगा। नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज-2022 प्रतियोगिता में विजेता घोषित होने पर अशीरा विश्वास को भी इस समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

नोबेल पीस सेंटर में द इग्नितर इनिशिएटिव के प्रोजेक्ट मैनेजर ने अशीरा को नोबेल शांति पुरस्कार चुनौती के निबंध श्रेणी में फाइनलिस्ट के रूप में घोषित होने पर बधाई दी है। साथ ही उन्हें 10 दिसंबर को ओस्लो में आयोजित नोबेल शांति पुरस्कार समारोह से संबंधित प्रमुख गतिविधियों में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है। विश्वास को ओस्लो शहर के ग्रैंड होटल में नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ ही ठहरने का अवसर मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि नोबेल शांति केंद्र की ओर से विश्व स्तर पर विद्यार्थियों को शांति पुरस्कार में शामिल करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। निबंध या फोटोग्राफी श्रेणियों में से किसी एक विषय पर विश्वभर के विद्यार्थी भाग लेते है। इस वर्ष का विषय शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, बंधुत्व और मानव अधिकारियों की सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालना था। अशीरा विश्वास को इस महत्वपूर्ण विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार के लिये चुना गया है। यह पुरस्कार जीतने वाली अशीरा संभवत: देश की पहली विजेता है। इस प्रतियोगिता को जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली अशीरा इस समय यूके की ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत है।

यज्ञ से शुरू हुआ लोकार्पण समारोह

जयपुर, (का.सं.)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में 10 दिसंबर को होने वाले योग साधना भवन के लोकार्पण समारोह की शुरूआत वैदिक यज्ञ से हुई। कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने मृगशिरा नक्षत्र में शुरू हुए यज्ञ में वैदिक एवं पौराणिक विधि से आहूतियां दी। वेद एवं पौरोहित्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा, शास्त्री कोसलेंद्रदास एवं डॉ. संदीप जोशी ने गणपति, गौरी, नवग्रह, वास्तु के साथ ही विष्णु पूजन संपन्न करवाया। यज्ञ से पूर्व कुशकंडिका और यज्ञस्थली का निर्माण किया गया।

मेरिट में आने के बाद भी नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एलडीसी भर्ती-2013 की मेरिट में आने और दस्तावेज सत्यापन के बाद भी अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं देने पर राज्य सरकार सहित संबंधित जिला परिषद से 13 दिसंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश हेमंत कुमार शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने एलडीसी भर्ती-2013 के खाली पदों पर अब पुन: भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। याचिकाकर्ता अभ्यर्थी भर्ती की कट ऑफ और मेरिट लिस्ट में भी आए हैं। वहीं पंचायती राज विभाग के अधीन संबंधित जिला परिषद ने उनके दस्तावेजों का सत्यापन भी कर लिया। इसके बावजूद एलडीसी के खाली पदों पर नियुक्ति के

- दस्तावेज सत्यापन कराने के बाद भी नियुक्ति नहीं दी
- विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर करने का कारण भी नहीं बताया

लिए बनाई अंतिम चयन सूची में उन्हें बाहर कर दिया है। वहीं विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर करने का कारण भी नहीं बताया है। ऐसे में उन्हें अंतिम चयन सूची में शामिल कर खाली पदों पर नियुक्ति दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

दीप्ति गैरोला को सम्मानित किया

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को राजभवन में गोल्डन लीफ फाउंडेशन की फाउंडर व निदेशक दीप्ति गैरोला को सामाजिक सराकारों से जुड़े कार्यों समेत अनाथ, बेसहारा और निराश्रित लोगों के प्रति सेवा कार्य के लिए प्रशंसनीय पत्र दिया है। दीप्ति गैरोला ने राज्यपाल को वैश्विक महामारी कोविड-19 की पहली व दूसरी लहर के दौरान उनकी संस्था ने जरूरतमंद लोगों व मजदूरों को क्षमता के मुताबिक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की जानकारी दी। दीप्ति ने बताया कि उनकी संस्था फिलहाल स्टॉप लाइट पर भीख मांगने वाले भिखारियों के बच्चों की रोजगारोन्मुखी शिक्षा मुहैया कराने के लिए योजना पर काम रही हैं ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य के साथ बेहतर जीवन जी सकें।

कलेक्टर ने आबादी विस्तार के लिए किया भूमि आवंटन, हाईकोर्ट का स्टे

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने झुंझुनूं के नाटास गांव की जमीन को विवाद रहित बताकर उसे आबादी विस्तार के लिए ग्राम पंचायत को आवंटित करने के मामले में कलेक्टर, एसडीओ उदयपुरवाटी और तहसीलदार सहित अन्य से जवाब मांगा है।

इसके साथ ही अदालत ने भूमि पर यथा स्थिति बनाए रखने को कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश सुरेंद्र सिंह की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता धर्मवीर ठोलिया और अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने अदालत को बताया कि आजादी से पहले यह भूमि बिसाऊ ठिकाने की थी। जहां से यह याचिकाकर्ता के दादा को वर्ष 1946 में मिली थी। इसके बाद से याचिकाकर्ता का परिवार इस जमीन पर खेती कर रहा है। याचिका में कहा गया कि झुंझुनूं कलेक्टर ने गत 10 मार्च को इस भूमि को विवाद रहित बताकर आबादी विस्तार के लिए इसे नाटास ग्राम पंचायत को आवंटित कर दी। जबकि यह भूमि विवाद रहित नहीं है और पंचायत को आवंटन के समय इस जमीन को लेकर कई कोर्ट केस चल रहे थे। ऐसे में इसे ग्राम पंचायत को आवंटित नहीं किया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए मामले में यथास्थिति के आदेश दिए हैं।

अहंकार न करने की सीख दी

जयपुर। जवाहर कला केंद्र की पाक्षिक नाट्यय योजना के तहत आज नाटक 'मुगल बच्चा' का मंचन किया गया। इस व्यंग्यात्मक नाटक ने न केवल दर्शकों को हंसाया, बल्कि कई जगह भावुक करते हुए अहंकार न करने की सीख भी दी।

महमूद अली ने इस्मत चुगताई की कहानी का नाट्यय रुपांतरण कर न केवल निर्देशक की भूमिका निभाई बल्कि इस एकल नाट्यय प्रस्तुति में 11 किरदारों को मंच पर बखूबी साकार किया। नाटक के नाम में ही इसका सार छिपा है।

पुरानी-जर्जर पेयजल पाइपलाइन बदलेंगी

जयपुर । जयपुर शहर खासकर परकोटे की पेयजल व्यवस्था में सुधार एवं पुरानी पाइप लाइन बदलने की जलदाय मंत्री डॉ.महेश जोशी की सकारात्मक पहल के मद्देनजर जलदाय विभाग ने चारदीवारी एवं आसपास के क्षेत्रों में पुरानी लाइनें बदलकर नई लाइनें डालने और शहरी जल योजनाओं का संवर्धन कर सप्लाई सुचारू बनाने के लिए 239 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी है। जलदाय विभाग, जयपुर परकोटे की चौकड़ी गंगापोल, चौकड़ी घाटघेट, चौकड़ी विश्वेश्वरजी, चौकड़ी रामचन्द्र, पुरानी बस्ती, तोपखाना हजूरी, तोपखाना देश, अमृतपुरी, लक्ष्मीनारायपुरी, मंडी खटीकान और कंवर नगर में पुरानी पाइप लाइन बदलेगा, आवश्यकतानुसार नई पाइप लाइन डाली जाएगी। इससे इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रदूषित पानी से निजात मिलेगी एवं पेयजल आपूर्ति सुचारू हो सकेगी। बीसलपुर परियोजना के लाभ से वंचित आमेर की ढाणियां, देवीखोल, चौमारिया, कनक घाटी, घाट के बालाजी, नाहरसिंह कॉलोनी, जग्गा की बावडी, मीणा बस्ती एवं पुराना घाट क्षेत्रों को बीसलपुर से जोड़ने के लिए आधारभूत संरचना बनाई जाएंगी।

लाहोटी ने निकाली 'जनाक्रोश रैली'

कांग्रेस सरकार पर कुशासन और जंगलराज का आरोप लगाते हुए सांगानेर विधायक आमजन से मिलने पहुंचे

जयपुर । सांगानेर विधायक एवं पूर्व महापौर जयपुर डॉ. अशोक लाहोटी ने शुक्रवार को राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर कुशासन, जंगलराज का आरोप लगाते हुए वार्ड 83, 88 व में "जन आक्रोश रैली" निकाली। इस रैली को विधायक लाहोटी ने रामपुरा रेलवे फाटक से रवाना किया। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं रामपुरा फाटक से केशर चौराहा तक यात्रा में पूरे रास्ते पैदल चलकर आमजन से मुलाकात की और नुक्कड़ सभाएं संबोधित की। लाहोटी ने कहा कि आज प्रदेश के हर गली मौहल्ले में फैल रहे अपराध से डर व भय के माहौल के खिलाफ, भ्रष्टाचार के खिलाफ तथा विकास के काम ठप होने, क्षेत्र में चारों तरफ फैल रही गंदगी, ना कचरे की गाड़ी आती है, ना ही सफाई हो रही है, मुख्य बाजार व कॉलोनियों में गंदा पानी भरा हुआ है, पानी निकासी व सीवरेज व्यवस्था न होने से लोग परेशान हैं।

सूची जारी

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम द्वारा पांचो विद्युत निगमों के जूनियर असिस्टेंट के 915 भर्ती पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थियों को उनकी ओर से दिए गए विकल्प एवं मेरिट के आधार पर विद्युत निगम का आवंटन कर संबंधित निगमों को सफल अभ्यर्थियों का विवरण प्रेषित किया जा रहा है।

सेवा बर्खास्तगी का आदेश रद्द

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिकरण ने दिगंबर जैन आदर्श महिला संस्कृत पीजी कॉलेज, महावीरजी की प्रबंध समिति के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें अपीलार्थी कॉलेज व्याख्याता को सेवा से बर्खास्त कर दिया था। वहीं अधिकरण ने प्रबंध समिति को अपीलार्थी को बहाल करने और उसे वेतन भत्ते की 50 फीसदी राशि का भुगतान करने के लिए भी कहा है। अधिकरण ने यह आदेश डॉ. नेमचंद जैन की अपील पर दिए।

अपील में कहा गया कि अपीलार्थी की नियुक्ति 31 जुलाई 1997 को इस अनुदानित शैक्षिक संस्थान में हुई थी, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने अपीलार्थी पर लांछन लगाते हुए उसे 20 अप्रैल 2009 को सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसे अधिकरण में चुनौती देते हुए कहा कि आदेश को रद्द कर बहाल किया जाए।

आजादी के बाद जी-20 का भारत के पीएम द्वारा नेतृत्व महत्वपूर्ण : मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को जी 20 की अध्यक्षता की तैयारी के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में राजभवन से ऑनलाइन भाग लिया।

बैठक में भाग लेने के बाद उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार जी 20 का भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण और विरल अवसर है। उन्होंने इसे गौरवपूर्ण बताते हुए सभी के सहयोग से इसे सफल किए जाने का आव्हान किया।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी 20 को सतत समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत की अध्यक्षता विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र की वैश्विक स्वीकार्यता है।

बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उदयपुर से जी 20 की शानदार शुरुआत हुई है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उदयपुर की सराहना को महती बताते हुए कहा कि भारत के लिए जी 20 की अध्यक्षता सभी देशवासियों के लिए गौरव की बात हूं। सभी स्तरों पर इसे अभूतपूर्व रूप में सफल करने के प्रयास होंगे।

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जी 20 से जुड़े उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जी 20 की अध्यक्षता देश के लिए असाधरण अवसर है। जी 20 में दुनिया की 85 प्रतिशत जीडीपी वाले देश सम्मिलित हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने जी-20 की तैयारी बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।

सांगानेर में थड़ी-ठेले संचालकों को धमकाने वाला बदमाश गिरफ्तार

फायरिंग व आर्म्स एक्ट मामले में भी फरार था आरोपी

जयपुर । सांगानेर पुलिस ने फायरिंग व आर्म्स एक्ट मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी टोंक स्थित पीपलू निवासी बाबूलाल बराला को गिरफ्तार किया है, वह लंबे समय से फरार था। सांगानेर पुलिस को शुक्रवार को सूचना मिली कि श्योपुर रोड पर एक व्यक्ति थड़ी-ठेले वालों को डरा-धमका रहा है और स्वयं को बड़ा बदमाश बता रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस टीम में हैड कांस्टेबल सूरज मीणा, केदारमल, कांस्टेबल मुकेश आरोपी को पकड़ने के लिए गए। पुलिस ने मौके पर आरोपी को दबोच लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी पहले आर्म्स एक्ट व मारपीट के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी के खिलाफ सांगानेर व प्रताप नगर पुलिस थाने में आधा दर्जन मुकदमें दर्ज है। वहीं टोंक के टोडारायसिंह के एक मामले में आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रहीं है।

सांगानेर थाना पुलिस ने फायरिंग व आर्म्स एक्ट मामले में फरार आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया।

जेकेके में चित्र महोत्सव शुरू

जयपुर, (कासं)। केन्द्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के ट्राइफेड क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से जवाहर कला केंद्र में शुक्रवार को आदि चित्र महोत्सव का शुभारंभ हुआ। 18 दिसंबर तक चलने वाले पेंटिंग प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों की विशिष्ट आदिवासी पेंटिंग कला गोंड, भील, वार्ली व पिथोरा आदि पेंटिंग्स का प्रदर्शन व बिक्री की जाएगी। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आदिवासी चित्रकारों की कला को जन-जन तक पहुंचना और देश विदेश में ख्याति दिलवाना तथा उनको आजीविका उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी का जवाहर कला केंद्र की सुदर्शन कला दीर्घा में पत्र सूचना कार्यालय की निदेशक ऋतु शुक्ला ने उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से आदिवासी कला को आगे लाने के अवसर मिलेंगे। इस प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, उड़ीसा और राजस्थान के आदिवासी चित्रकारों द्वारा बनाई गई लगभग 300 चित्रकारी प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी का क्युरेशन राजस्थान ललित कला अकादमी के अध्यक्ष प्रो. चिन्मय मेहता ने किया है। प्रदर्शनी का आयोजन क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा के निर्देशन में किया जा रहा है।

सार-समाचार

जनाक्रोश यात्रा का किया स्वागत

बांसवाड़, (निसं)। भाजपा द्वारा निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा का बांसवाडा विधानसभा क्षेत्र के पंचायत छोटी सरवन के जहांपुरा, मकनपुरा, कुंडल, घोडी तेजपुर, गागरवा, खजूरी, कालाखेत, मुलिया, कटुम्बी, दनाक्षरी, कोटडा, बारी में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ने रथ में मौजूद शिकायत पेटी में अपनी शिकायतें भी डाली। विधानसभा क्षेत्र संयोजक मनोहर पटेल, सहसंयोजक जनजाति मोर्चे के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हकरु मईडा, जनजाति मोर्चे के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व जिला परिषद् सदस्य राजेश कटारा, जिला महामंत्री मुकेश रावत, पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत व दलीचंद मईडा, पूर्व प्रधान धीरजमल गणावा, परमेश्वर मईडा, विस्तारक भैरूलाल आदि ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस नेताओं द्वारा किये गये वायदों की याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने जनता से छल किया है जिसका जवाब चुनाव में देना है। सभा को सरदार पारगी, मंडल अध्यक्ष अर्जुन मईडा, महामंत्री प्रेमसिंह, सोहनलाल निनामा आदि ने संबोधित किया। इधर कुशलगढ में जिला संयोजक ओम पालीवाल के सानिध्य में जनाक्रोश यात्रा टिमेडा बडा व छोटा, झिकली, बाकानेर, बडवास बडी आदि स्थानों पर पहुंची जहां चौपाल का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला संयोजक ओम पालीवाल ने कहा कि पिछले चार सालों में जनता को गोलीकांड, अत्याचार, अन्याय और भ्रष्टाचार के सिवाय कुछ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को कमल खिलाने का संकल्प लेना होगा। पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर ने कहा कि क्षेत्र की जनता अपने को ठगा सा महसूस कर रही है।

डीपीसी प्रक्रिया पर जताया आभार

मावली, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के प्रदेश महामंत्री सुरेश कुमार देशबंधु ने बताया कि विगत 2 वर्षों से लंबित उदयपुर संभाग की तृतीय श्रेणी से वरिष्ठ अध्यापक की विज्ञान गणित की डीपीसी के लिए माध्यमिक एवं प्रारंभिक निदेशक बीकानेर एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिससे विगत 2 वर्षों से लंबित उदयपुर संभाग की तृतीय श्रेणी से वरिष्ठ अध्यापक की गणित विज्ञान डीएसपी की डीपीसी के लिए संयुक्त विधि परामर्शी माध्यमिक शिक्षा बीकानेर ने संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा को आदेश जारी कर दिए हैं राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के प्रदेश महामंत्री सुरेश कुमार देशबंधू ने कहा कि उक्त डीपीसी का मामला पिछले 2 वर्षों से न्यायालय में अटका हुआ था जिस पर विगत 27 जुलाई को उच्च न्यायालय जोधपुर की एकल पीठ के निर्णय पश्चात 4 माह से बीकानेर में विभाग की स्वीकृति के लिए फाइल लंबीत थी संभाग के टीएसपी क्षेत्र की डीपीसी प्रक्रिया से जल्द ही विद्यालय को विज्ञान और गणित के वरिष्ठ अध्यापक मिलने की संभावना है इससे विद्यालयों में रिक्त पदों की समस्या का निदान होगा साथ ही विद्यार्थियों को राहत मिलेगी राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर ने आभार व्यक्त किया है।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर 14 दिसंबर से

भीम, (निसं)। आयुर्वेद विभाग राजसमंद एवं जय आनन्द जन परमार्थ संस्थान नंदावट के संयुक्त तत्वावधान में श्री बाबुलाल , अशोक कुमार जी रांका परिवार बैंगलोर के सहयोग से विशाल निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा उप निदेशक आयुर्वेद विभाग राजसमंद डॉ मुखत्यार सिंह ने बताया कि शिविर में अर्श (मस्सा) भगंदर (बवासीर) फिशर गुदमार्ग से खून आना जलन होना आदि बीमारियों का इलाज आयुर्वेद चिकित्सा की क्षारसूत्र पद्धित के शल्य विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा तथा आमवत जोडों का दर्द लकवा आदि बीमारियों का इलाज पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा शिविर प्रभारी डॉ कृपा सन्त ने बताया कि शिविर में अग्निकर्म,जलोका, आयुर्वेद न्यूरो पद्धित से गंभीर बीमारियों का इलाज किया जाएगा शिविर में कास, श्वास, स्त्रीरोग, मधुमेह, मूत्ररोग, उदररोग प्रतिश्याय आदि बीमारियों का इलाज निशुल्क किया जाएगा ।

पोस्टर का विमोचन

बांसवाड़ा, (निसं)। खांदू कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर में श्री सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन के पोस्टर का विमोचन किया गया। समाजजनों ने बताया कि जैनों के तीर्थ श्री सम्मेद शिखर को केन्द्रीय वन मंत्रालय व झारखंड सरकार ने पर्यटन क्षेत्र घोषित कर दिया हैं जिसके कारण श्री सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र पर गैर धार्मिक गतिविधियों को बढावा मिल रहा हैं। जिसके विरोध में 11 दिसंबर को विश्व जैन संगठन के तत्वावधान में दिल्ली के रामलीला मैदान में संतों के सानिध्य में धर्म सभा होगी एवं विरोध रैली निकाली जायेगी। जिसके समर्थन में जिला मुख्यालय के कुशलबाग मैदान में 11 दिसंबर को प्रात: 11 बजे विरोध सभा व महारैली का आयोजन किया गया है। इसके लिये विश्व जैन संगठन के राज्य प्रभारी भरत गांधी एवं विपिन पंचोरी ने 2 अगस्त 2०19 को जारी गजट व बढती गैर धार्मिक गतिविधियों व पेडों के अवैध कटाई व पत्थरों के अवैध खनन की जानकारी दी। सभा में श्रीपाल मेघावत, नरेन्द्र रजावत, पवन सुन्द्रावत, अशोक घुघरावत, रमेश पंचोरी, अरुण मालविया, जिनेन्द्र पंचोरी, मनोज पंचोरी, शैलेन्द्र पंचोरी, मांगीलाल जगीसोत, प्रकाश सिंघवी, निर्मल सुन्द्रावत, अभय पंचोरी सहित खान्दु कॉलोनी जैन समाजजनों ने भाग लिया।

रेल्वे सुरक्षा बल की बैठक सम्पन्न

डूंगरपुर, (निसं)। रेल्वे सुरक्षा बल डूंगरपुर एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन एवं सृष्टि सेवा समिति, बाल कल्याण समिति एवं राजकीय रेल्वे पुलिस डूंगरपुर की संयुक्त बैठक रेल्वे स्टेशन डूंगरपुर पर रेल्वे सुरक्षा बल के कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में रेल्वे स्टेशन पर बालकों की सुरक्षा हेतु एवं बाल तस्करी की रोकथाम हेतु गुजरात बाल मजदूरी के पलायन की रोकथाम हेतु चर्चा की गई और जिला कलक्टर को रेलवे स्टेशन पर बालकों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड लाइन का एक हेल्प डेस्क बुथ लगवाने का प्रस्ताव देने एवं एक हेल्प डेस्क बोर्ड लगवाने और बाल तस्करी की रोकथाम के लिए एक मॉक ड्रिल करने हेतु बैठक में चर्चा की गई।

'योजनाओं के क्रियान्वन में जन प्रतिनिधियों की अहम भूमिका'

डूंगरपुर, (निसं)। दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत जेंडर जागरूकता अभियान पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला नगरपरिषद सभापति अमृत कलासुआ के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई, जिसमे स्वायत्त शासन विभाग जयपुर की स्टेट मिशन मैनेजर संध्या भंडारी एवं मनमोहन शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित किया तथा कहां कि जेंडर

■ **आजीविका मिशन की कार्यशाला में लाभार्थियों को बांटी ऋण राशि**

के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म कर सभी के लिए समान अधिकार एवं अवसर उपलब्ध उसके लिए सभी को प्रयास करना होगा।

इस अवसर पर नगर परिषद सभापति अमृत कलासुआ ने कार्यशाला में महिला एवं पुरुषों में एक समानता की बात कही तथा महिलाएं भी किसी भी क्षेत्र में आज कम नहीं है यह सब के लिए गौरव और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र की

जेंडर जागरूकता अभियान पर आयोजित कार्यशाला को डूंगरपुर नगरपरिषद सभापति कलासुआ (बायें से तीसरे) ने सम्बोधित किया।

योजनाओं के सफल क्रियान्वन में जन प्रतिनिधियों की अहम भूमिका रहती है जन प्रतिनिधियों को योजनाओ की जानकारी प्रदान कर शहर के जररतमंद परिवारों को लाभान्वित करे।

कार्यशाला में इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को 50,000-50,000 की ऋण राशि वितरण की गई। कार्यशाला में दोनो स्टेट मिशन मैनेजर के द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना एवं पीएम निधि योजना के अंतर्गत जिले में कार्यरत जिला मिशन प्रबंधक एवं कम्युनिटी ऑर्गेनाइजेशन के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की तथा विभिन्न घटकों में अपेक्षित शत-प्रतिशत लक्ष्य को पूर्ण करने की कार्ययोजना बनाई गई तथा जल्द से जल्द लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु आदेशित किया गया। कार्यशाला में राजस्थान बाल कल्याण समिति के मनोज गौड, आजीविका मिशन नगरपरिषद के हर्षवर्धन सिंह, मलय पंड्या, सारिका यादव, शशांक श्रीमाल और महिला स्वयं सहायता समूह की मातृ शक्ति मौजूद रही।

पीएचसी का निरीक्षण किया

डूंगरपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर लक्ष्मी नारायण मंत्री ने शुक्रवार को राजकीय आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पुनाली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर लक्ष्मी नारायण मंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हाजिरी रजिस्टर को देखकर कार्मिकों की जानकारी ली।

उन्होंने पीएचसी में मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना एवं नि:शुल्क दवा योजनाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। साथ ही उन्होंने समय-समय पर सभी रजिस्टर संधारण करने के निर्देश प्रदान किये है। जिला कलक्टर मंत्री ने कम्प्यूटर ऑपरेटर से ऑनलाईन पर्ची अपलोड होने की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। साथ ही उन्होंने समय-समय पर सभी पर्चियों को ऑनलाईन अपलोड करने के निर्देश प्रदान किये है।

ओबीसी आरक्षण विसंगति दूर करने पर जताया आभार

राजसमन्द, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण सम्बंधी विसंगति को दूर करके जारी संशोधित आदेश को पारित करने पर कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नानालाल सार्दुल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभाध्यक्ष डॉ सीपी जोशी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिसिंह राठौड, पूर्व जिला प्रमुख नारायणसिंह भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष देवकीनंदन गुर्जर सहित जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया हैं।

सार्दुल ने बताया कि ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव एवं नेशनल कोर्डीनेटर राजेन्द्र सेन के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण को लेकर पूर्व सैनिको के साथ जो कमिया थी उनको यथाशीघ्र दूरस्त करते हुए अन्य पिछडा वर्ग के अभ्यर्थियों को संविधान द्वारा प्रदत हक दिलवाने के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किया था। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जानबुझकर दो वर्गो के बीच वैमनस्य बढाने के उदेश्य से अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण में से ही पूर्व सैनिको को भी आरक्षण देने का आदेश पारित कर दोनो वर्गों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा कर दी गई थी। जबकी पूर्व सैनिको को अलग से आरक्षण का प्रावधान हैं, इस पर अन्य पिछडा वर्ग के युवाओं में जबरदस्त आक्रोश था और वो अनेक बार धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज करवा चुके थे। सार्दुल ने बताया कि युवाओ की मांग से सरकार को अवगत करवाते हुए भाजपा सरकार द्वारा थोपे गए आदेश को रद्द करने का आग्रह किया था। यह हर्ष का विषय हैं कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए भाजपा सरकार द्वारा जारी विसंगतिपूर्ण आदेश को निरस्त कर 7 दिसम्बर 2०22 को नोटिफिकेशन जारी कर तुरन्त प्रभाव से अन्य पिछडा वर्ग के लिये 21 प्रतिशत आरक्षण का पूर्व अनुसार प्रावधान कर दिया है।

बैठक सम्पन्न

राजसमन्द, (निसं)। बृजवासी गौरवा (ठाकुर) पंचायत कांकरोली की कार्यकारिणी और समाज के युवाओं की सामुहिक बैठक शुक्रवार को कांकरोली स्थित गुप्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। जिसमें सभी विकास मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय प्रस्ताव पारित किए। वहीं पिछले दिनों मोही रोड स्थित भूखण्ड क्रय किया गया तथा एसबीआई बैंक शाखा कांकरोली में 49529 व दी उदयपुर सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक लि. शाखा कांकरोली में 6, ०9,951 करने का ब्यौरा बैठक में दिया गया। साथ ही समाज संगठन मजबूत करने के लिए समाज के समस्त युवाओं को जोडने पर चर्चा की। बैठक में समाज के रजिस्ट्रेशन के लिए अपनी ओर से बृजवासी गौरवा ठाकुर पंचायत कांकरोली का नाम दिया गया। जिसे कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर रजिस्ट्रेशन शीघ्र कराने पर बल दिया गया। सचिव राजकुमार गौरवा ने आर्थिक आधार पर ओबीसी में पूर्व में हुई कार्यवाही से अवगत कराया।

पुजारी दंपती को जलाने के मामले में आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

देवगढ़, (निसं)। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गत दिनो देवगढ़ थाना क्षेत्र के हीरा की बस्सी क्षेत्र में पुजारी दंपत्ति को जलाने की हुई घटना के मामले में पीपली नगर वेर निवासी एक आरोपी दिनेश सिंह पिता पन्ना सिंह (23)को पीपली नगर वेर के जंगलों से डिटेन किया गया था।

जानकारी के अनुसार गत दिनों देवगढ़ थाना क्षेत्र के हीरा की बस्सी गांव में हाईवे के निकट बने मकान में मंदिर की जमीन के मामले में पुजारी दंपत्ति को पेट्रोल बम डालकर जलाने के मामले में देवगढ़ थाना अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम को गुरुवार सफलता मिली जिसमें पीपली नगर वेर निवासी आरोपी दिनेश सिंह पिता पन्ना सिंह उम्र 23 वर्ष को पिपली नगर वेर के निकट जंगलों से डिटेन किया गया था। ज्ञात रहे कि पुजारी दंपत्ति को जलाने के मामले में अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं इस घटनाक्रम

देवगढ़ थाना पुलिस ने पुजारी दंपती के साथ आगजनी के मामले में आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया।

में पीड़ित पुजारी नवरत्न लाल की उदयपुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो चुकी है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में उक्त मामले में कार्यवाही कर रहे जांच अधिकारी बेनी प्रसाद मीणा के निर्देशन में देवगढ़ कार्यवाहक थाना प्रभारी प्रताप सिंह के नेतृत्व में दिलीप सिंह हेड कांस्टेबल, शिव दर्शन सिंह, मदन सिंह, सुरेश कुमार, गुलजार सिंह, ज्वाला सिंह शेखावत सहित पुलिस जाब्ता ने कड़ी मशक्कत करके आरोपी को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

वैष्णवी का नीट में चयन

भीम, (निसं)। कस्बे के इंदिरा कॉलोनी निवासी एक मेधावी छात्रा का नीट में चयन हुआ है शुक्रवार को सरपंच यशोदा कवर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर सिंह रावत वार्ड पंच एडवोकेट लता सिंघानिया दुर्गाप्रसाद सिंघानिया चुन्नी लाल रेगर उदयराम आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया जानकारी के अनुसार वैष्णवी कुमारी पुत्री महेंद्र कुमार सिवासिया निवासी इंदिरा कॉलोनी भीम का नीटऑनलाइन काउंसलिंग में एमबीबीएस हेतु चयन हुआ है तथा एसीएसआर राजकीय मेडिकल कॉलेज आंध्र प्रदेश हेतु चयन हुआ है जिससे परिवारजनों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर है वैष्णवी ने बताया कि वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को देती है इस अवसर पर केला राम रेगर नारायण लाल बलदेव किरण कुमार शांतादेवी पूनम सुप्रिया आदि मौजूद थे।

साहित्यकार सम्मेलन आज से

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर एवं वागड विभा साहित्य एवं कला संस्थान डूंगरपुर के साझा तत्वावधान में दो दिवसीय जिला साहित्यकार सम्मेलन शनिवार से प. दीनदयाल उपाध्याय भवन दशहरा मैदान में आयोजित होगा। 1० दिसंबर, शनिवार को मध्यान्ह 12.15 बजे से उद्घाटन सत्र प्रारंभ होगा। मुख्य अतिथि अजा वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष डा.शंकर यादव रहेंगे। अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के अध्यक्ष डा. दुलाराम सहारण करेंगे। सभापति अमृत कलासुआ अति विशिष्ट अतिथि होंगें। वरिष्ठ साहित्यकार डा. जयप्रकाश ज्योतिपुंज, उपेंद्र अणु एवं वरिष्ठ कहानीकार दिनेश पंचाल बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहेंगे। उद्घाटन सत्र का संचालन ऋषि दवे करेंगे। सम्मेलन को सफल बनाने साहित्य अकादमी उदयपुर के सचिव डा. बसंत सिंह सोलंकी एवं वागड विभा डूंगरपुर के अध्यक्ष राजकुमार कंसारा तैयारियों में जुटे है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के बाद राजस्थान साहित्य अकादमी की पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा। जिला साहित्यकार सम्मेलन के पहले दिन शनिवार को उद्घाटन सत्र के बाद दो तकनीकी सत्र होंगे। पहले सत्र में मध्यान्ह 3.15 से 4.15 बजे तक हिंदी की समृद्धि में लोकभाषा के योगदान विषय पर चर्चा होगी। अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार हेमंत शर्मा करेंगे। मुख्य अतिथि रंगकर्मी एवं सदस्य उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज सतीश आचार्य रहेंगे।

7 दिन से लापता युवक का शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के वाजेडा गांव में पानी के नाले में एक व्यक्ति का औंधे मुहं गिरा शव मिला। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल में के मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने मृत व्यक्ति की पहचान साबली फला कटारा निवासी मुकेश पुत्र कन्हैयालाल कटारा के रूप में की। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखकर इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलने पर शुक्रवार को मृतक के परिजनों एवं ग्रामीण सदर थाना पहुंची तथा मुकेश कटारा की हत्या का अंदेशा जताते हुए पुलिस को नामजद रिपोर्ट सौपी। मृतक के पिता कन्हैयालाल जीवा कटारा ने रिपोर्ट में बताया कि एक दिसंबर को जीजा और मुकेश दोनों जीजा के काका गटू पुत्र लालजी रोत के लडके अमृत की मेहमान गए हुए थे। जिसके बाद से मुकेश का कोई अतापता नहीं मिला। जिसपर परिजनों ने 5 दिसंबर को सदर थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बीते दिने जीजा के भाई के मकान के 1०० मीटर की दूरी पर एनिकट में मुकेश का शव मिला। जिसके मुंह एवं एसिड या कोई केमिकल पदार्थ डाल कर जला दिया है मुकेश के गर्दन में चाकू का गहारा घाव नजर आ रहा है। मृतक पिता कन्हैयालाल ने मुकेश की हत्या का अंदेशा जताते हुए करीब चार लोगें के नाम सहित 8 से 10 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या करने की आरोप लगाते हुए लिखित रिपोर्ट सौंपी। आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

प्रेमराज बने अध्यक्ष

भीण्डर, (निसं)। युवा जनता सेना के वाणियातलाई मण्डल के सवना इकाई का गठन जनता सेना राजस्थान संरक्षक व पूर्व विधायक रणधीरसिंह भीण्डर एवं युवा जनता सेना प्रदेशाध्यक्ष रमेश डांगी के निर्देशानुसार किया गया। वाणियातलाई युवा जनता सेना मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह मियावत ने बताया कि सवना इकाई में अध्यक्ष पद पर प्रेमराज मीणा आलूखेडा को निर्वाचित किया। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर कैलाश चौधरी खानातालाब, गोपाल रावत लखमेला, नरेन्द्र सिंह राणावत निचला सेमलिया, लालुराम मीणा आलूखेडा, लोगर रावत देवराफला, महामंत्री पद पर सुरेन्द्रसिंह शक्तावत खानातालाब, प्रकाश रावत पनवा, मंत्री पद पर लिम्बाराम रावत रामेला, होमा रावत उपला सेमलिया, बहादुर सवना, विक्रम चौधरी आलूखेडा, फतहलाल रावत रामेला, बंशीलाल रावत सवना, कोषाध्यक्ष उदयलाल मीणा सुन्दरपुरा, कार्यालय सचिव गणेशलाल, खानातालाब, मीडिया प्रभारी उदयलाल लौहार खानातालाब, कार्यक्रम प्रभारी ऊंकार रावत भादवीवेला आदि को मनोनीत किया गया।

जन आक्रोश यात्रा बिलडी पहुंची

डूंगरपुर, (निसं)। जन आक्रोश यात्रा विधानसभा डूंगरपुर के ग्रामीण मंडल डूंगरपुर के माथुगामडा पाल रवाना होकर पिपलादा गडामोरैया, खेमारू, खेडा कच्छवासा, ऊपरगांव, उन्दरडा, भाटडा, सिदडी खेरवाडा, पगारा होती हुई बिलडी पहुंची जहां रात्रि विश्राम होगा। माथुगामडा पाल, खेडा कच्छवासा, गडामोरैया की सभा में जनाक्रोश यात्रा यात्रा के लोगों ने लूटपाट, पत्थरबाजी,बिजली की कटौती, बिजली के बिलों में भारी बढोतरी, महिला अत्याचार, बेरोजगारों के साथ में अन्याय,संविदा कर्मियों को स्थाई नहीं करना, आंगनवाडी कर्मियों के साथ अन्याय जैसे ज्वलंत मुद्दों पर जनता में भारी आक्रोश है।

कलेक्टर ने प्रतिध्वनि संस्थान की गतिविधियों को सराहा

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर प्रकाशचंद्र शर्मा ने प्रतिध्वनि संस्थान का अवलोकन करते हुए वहां चल रही गतिविधियों पर संस्थान निदेशक डॉ. निधि जैन के कार्यों को सराहा। कलक्टर ने संस्थान द्वारा सिलाई, कढाई एवं अन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं एवं महिलाओं से चर्चा की।

उन्होंने जैन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को सराहा। जैन ने बताया कि संस्थान की ओर से 4 हजार से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई प्रशिक्षण दिया गया है जिनमें से 1 हजार से अधिक ने सिलाई को अपना आजीविका का साधन बना लिया है। प्रशिक्षण और मशीन प्राप्त करने वाली अधिकांश महिलाएं जनजाति वर्ग की है। इस अवसर पर तहसीलदार विरेन्द्र सिंह राठौड, प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य हंसमुखलाल सेठ, जिला आयोजना समिति सदस्य रजनीकांत खाबिया आदि मौजूद रहे। कलक्टर शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को नियमित रुप से समाचार पत्र पढने के लिये

प्रतिध्वनि संस्थान की निदेशक निधि जैन (दायें) ने कलेक्टर, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को संस्थान के क्रियाकलापों से अवगत कराया।

प्रेरित किया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि उत्पाद के साथ-साथ बाजार भी ढूंढना चाहिए ताकि उत्पादों की अधिक से अधिक बिक्री हो सके। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं से चर्चा करते हुए भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हंसमुखलाल सेठ ने कहा कि संस्थान निदेशक निधि जैन का समर्पण भाव स्थानीय महिलाओं एवं बालिकाओं के लिये वरदान बन गया है। जिला आयोजन समिति सदस्य रजनीकांत खाबिया ने कहा कि संस्थान की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का किया जा रहा प्रयास सराहनीय है। तहसीलदार विरेन्द्र सिंह राठौड ने कहा कि घर बैठे रोजगार का साधन मुहैया कराने से क्षेत्र के विकास में भी महिलाएं एवं बालिकाएं भागीदार बनेंगी।

हादसे में दो की मौत, एक घायल

मंडफिया, (निसं)। मंडफिया थाना क्षेत्र के समीपवर्ती गांव रदई खेडा में एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने आए युवक एवं परिवार के नाबालिग की गुरुवार को स्कूटी से हुई दुर्घटना में मृत्यु हो गई जबकि एक नाबालिग गंभीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रदई खेडा गांव में कालूनाथ के घर पर विवाह समारोह था।

गुजरात में कालूनाथ के लडके के साथ काम करने वाला उसका मित्र दिनेश शर्मा भी शादी में भाग लेने के लिए आया हुआ था, शादी के काम के दौरान दिनेश शर्मा पिता जमुना दास शर्मा आयु 24 वर्ष निवासी गुजरात जोकि स्कूटी पर राकेश पिता नारायण नाथ निवासी रदई खेडा आयु 10 वर्ष एवं जैनेंद्र उर्फ जानू पिता पुष्कर नाथ आयु 15 वर्ष निवासी रदई खेडा को साथ लेकर किसी काम से सांवलियाजी आया था। सांवलियाजी में काम करके वापस रदई खेडा लौटते समय स्कूटी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई जिससे एक 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे की मौके पर ही मृत्यु हो गई एवं एक 15 वर्षीय नाबालिग तथा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में लोगों को दुर्घटना का पता पड़ने पर लोग मौके पर पहुंचे ।

दो दिवसीय कृषि प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कृषि प्रसार कार्यकर्ता आवासीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ।

राजसमन्द, (निसं)। कृषि विज्ञान केन्द्र महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय कृषि प्रसार कार्यकर्ता आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. पीसी रैगर ने बताया कि कार्यक्रम में कृषि विभाग देवगढ तथा नाथद्वारा कलस्टर के 28 पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। डॉ. रैगर ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिणार्थियों को वर्मीकम्पोष्ट, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, दुधारु पशुओं का वैज्ञानिक प्रबन्धन, किसान उत्पादन संगठनय एफपीओ के गठन एवं कार्य योजना के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान प्रारम्भ में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र अध्यक्ष डॉ. रैगर ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए बताया कि किसानो एवं कृषि वैज्ञानिको के बीच की योजक कडी है कृषि प्रसार कार्यकर्ता एवं केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों एवं योजनायों की जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दोरान नाबार्डए राजसमन्द की जिला प्रंबन्धक वसुन्धरा ने किसान उत्पादन संगठन के गठन एवं कार्य याजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया एवं कृषि विभाग उप निदेशक कैलाशचन्द्र मेधवंशी ने कृषि विभाग की विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. मनीराम ने वर्मी कम्पोष्ट उत्पादन तकनीक, प्राकृतिक खेती के बारे में बताया।

अगर आप जीत भी जाते हैं, तब भी आप जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं। हमें एक तेज गेंदबाज की जरूरत पड़ सकती है। एक छोटी नीलामी में आप जरूरत के मुताबिक बदलाव करते हैं। हम अलग नहीं हैं। - **आशीष नेहरा**

गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच, आईपीएल की तैयारी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एश्ले बार्टी

रिटायर्ड टेनिस स्टार एश्ले बार्टी को उनके करियर में दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च खेल सम्मान 'द डॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। गुरुवार रात ऑस्ट्रेलिया के वार्षिक हॉल ऑफ फेम खेल सम्मान समारोह में बार्टी को महान खिलाडी डॉन ब्रैडमैन के नाम पर रखा गये 'द डॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। वह इस पुरस्कार को एक से ज्यादा बार जीतने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयीं। इस वर्ष में विश्व नंबर वन के रूप में प्रवेश करने वाली बार्टी जनवरी में 1978 के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस का एकल खिताब जीतने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बनी थीं।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैण्ड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

गुवाहाटी पहुंची हॉकी विश्व कप ट्रॉफी

गुवाहाटी, 9 दिसम्बर। ओडिशा में होने वाले हाकी विश्वकप से पहले देश के विभिन्न राज्यों से गुजर रही चमचमाती ट्राफी का इस्तकबाल गुरूवार को गुवाहाटी के फुटबाल प्रेमियों ने किया। ट्रॉफी गुरुवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल से यहां पहुंची और शहर के खेल प्रेमियों के दर्शनार्थ रखी गयी। इस मौके पर छात्रों की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति के सदस्य सचिव गीतार्थ गोस्वामी और असम हॉकी के महासचिव तपन कुमार दास मौजूद थे। गोल्ड और प्लेटिनम ट्रॉफी की हिफाजत का जिम्मा असम पुलिस के जाबांज कमांडो के पास था। एक हजार से अधिक मोटरसाइकिल सवारों और सैकड़ों वाहन ट्राफी के साथ चल रहे थे। ट्राफी के साथ यह काफिला गौहाटी विश्वविद्यालय से गुजरा जहां छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों ने एक जुलूस निकाला। ट्राफी का औपचारिक स्वागत राज्य सरकार की ओर से गणेश मंदिर इंडोर स्टेडियम में किया गया, जिसमें असम के मंत्री जोगेन मोहन और नंदिता गारलोसा और अरुणाचल प्रदेश के मंत्री मामा नटुंग समारोह में शामिल हुए।

प्रणय ने विश्व चैम्पियनशिप में एक्सेलसेन को हराया

बैंकॉक, 9 दिसंबर। खिताब की दौड़ से बाहर हो चुके भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स के ग्रुप चरण के अपने तीसरे मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन को हारकर अपने अभियान को सकारात्मक तरीके से खत्म किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने ग्रुप ए के इस महत्वहीन मैच में ओलंपिक चैंपियनएक्सेलसेन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में14-21 21-17 21-18 से शिकस्त दी। प्रणय की डेनमार्क के इस खिलाड़ी के खिलाफ यह दूसरी जीत है। दोनों के बीच हुए सात मुकाबलों में हालांकि एक्सेलसेन ने पांच मैच जीते है। केरल के 30 साल के प्रणय को गुरुवार को ग्रुप के अपने दूसरे मैच में चीन के लु गुआंग जू से 84 मिनट तक चले तीन गेम के मुकाबले में 21-23, 21-17, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। वह टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार के साथ ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गये थे। वह बुधवार को अपने पहले मैच में जापान के कोडाई नाराओका से हार गए थे। प्रत्येक ग्रुप से केवल दो खिलाड़ी ही नॉकआउट चरण में जगह बनाएंगे।

महिला आईपीएल के मीडिया अधिकारों के लिए बीसीसीआई ने आमंत्रित की निविदा

मुंबई, 9 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्लूआईपीएल) के सत्र 2023 से 2027 तक के मीडिया अधिकारों के लिए निविदा आमंत्रित की। बीसीसीआई ने विज्ञिप्त जारी कर कहा कि महिला आईपीएल के 2023-2027 सत्र के मीडिया अधिकार हासिल करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। पात्रता आवश्यकताओं, बोलियों को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, प्रस्तावित मीडिया अधिकार पैकेज, और अन्य बातों के अलावा दायित्वों सहित निविदा प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले विस्तृत नियम और शर्तें निविदा के लिये आमंत्रण (आईटीटी) में निहित हैं। आईटीटी पांच लाख रुपये के गैर-वापसी योग्य शुल्क और किसी भी लागू जीएसटी के भुगतान की प्राप्ति पर उपलब्ध कराया जाएगा। आईटीटी 31 दिसंबर तक खरीदारी के लिए उपलब्ध रहेगा। इच्छुक पार्टियां प्रक्रिया के अनुसार आईटीटी की खरीद के लिए किए गए भुगतान के विवरण को डब्लूआईपीएल.मीडियाराइट्सबीसीसीआई.टीवी पर ईमेल करें। बोली जमा करने की इच्छा रखने वाली किसी भी इच्छुक पार्टी को आईटीटी खरीदना आवश्यक है।

द. अफ्रीका की मिगनॉन डू प्रीज ने लिया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

केपटाउन, 9 दिसंबर। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी मिगनॉन डू प्रीज ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। डू प्रीज़ ने इससे पहले महिला क्रिकेट विश्व कप, टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। शुक्रवार को उन्होने टी20 क्रिकेट से भी अलविदा कहने की घोषणा की। उन्होने कहा कि वह 15 साल से अधिक समय तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय करियर पर पर्दा डाल रही है। 33 साल की मिगनान डु प्रीज़ ने 2007 से 2018 तक क्रिकेट टेस्ट, वनडे और ट्वेंटी 20 के सभी तीन प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम का नेतृत्व किया था। उन्होने अपने 15 साल के करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 269 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें से अंतिम मैच राष्ट्रमंडल खेलों में खेला गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया चैनल पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के 15 साल बेहतरीन रहे। जितना मैं क्रिकेट से प्यार करती हूं, उससे दूर जाना कभी भी आसान फैसला नहीं होता, लेकिन मैं अपने दिल से जानती हूं कि मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करने का सही समय है।

राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियनशिप : जोशना चिनप्पा फाइनल में

चेन्नई, 9 दिसंबर। शीर्ष वरीय जोशना चिनप्पा ने शुक्रवार को यहां 78वीं राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियनशिप के महिला एकल वर्ग में आकांक्षा सौलंके को सीधे गेम में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। अब 36 वर्षीय जोशना का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में प्रतिभाशाली युवा अनाहत सिंह से होगा जिसमें उनकी निगाहें 19वां राष्ट्रीय खिताब हासिल करने पर लगी होंगी। चौदह वर्षीय अनाहत ने दूसरे सेमीफाइनल में तनिष्का जैन को पराजित किया। विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी जोशना ने आकांक्षा को 11-9,11-9,11-8 से शिकस्त दी।

क्रोएशिया ने पेनल्टी शूटआउट में ब्राजील को हरा सेमीफाइनल में जगह बनाई

अल रैयान, 9 दिसंबर। क्रोएशिया ने शुक्रवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल में पांच बार की चैंपियन ब्राज़ील को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 (1-1) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में आधिकारिक समय तक कोई टीम गोल नहीं कर सकी, जिसके बाद मैच अतिरिक्त समय में चला गया। नेमार (105 1वां मिनट) ने अतिरिक्त समय का पहला गोल करके ब्राज़ील को बढ़त दिला दी, लेकिन ब्रूनो पेटकोविच 116वें मिनट में बॉल को नेट में पहुंचाकर क्रोएशिया को मैच में वापस ले आये।

पेनल्टी शूटआउट में निकोला व्लासिच, लोवरो मेजर, लुका मोड्रिच और मिस्लव ओर्सिच ने क्रोएशिया के लिये गोल किये, जबकि ब्राज़ील की ओर से कासेमीरो और पेड्रो ही गोल कर सके। क्रोएशिया के गोलकीपर डॉमिनिक लिवाकोविच ने शूटआउट में ब्राज़ील के दो प्रयास असफल किये। ब्राज़ील की चौथी पेनल्टी मार्किनोस ने ली, जिनका निशाना चूकने के कारण ब्राज़ील विश्व कप से बाहर हो गयी। सेमीफाइनल में क्रोएशिया का सामना अर्जेंटीना या नीदरलैंड में से किसी एक टीम से होगा।

रोनाल्डो और पुर्तगाल की निगाहें मोरक्को का विश्व कप अभियान खत्म करने पर

दोहा, 9 दिसंबर। मोरक्को के लिये फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना एक उपलब्धि से कम नहीं है लेकिन अब पुर्तगाल और इसके सुपरस्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सामने होना भी उनके लिये अविश्वसनीय ही होगा। रोनाल्डो एक बार फिर एक अलग ही तरीके से सुर्खियों में आ गये हैं। शनिवार को होने वाले इस मुकाबले में हालांकि मोरक्को का ऐतिहासिक सफर खत्म कर अंतिम चार में पहुंचना अहम एजेंडा होगा। लेकिन वह शुरूआती एकादश में होंगे या नहीं? यह बड़ा सवाल बन गया है, मंगलवार को स्विट्जरलैंड पर राउंड 16 में उन्हें शुरूआत नहीं करायी गयी थी जिसमें पुर्तगाल की 6-1 की जीत के बाद यह फैसला करने वाले कोच फर्नांडो सांटोस से बार बार यही सवाल पूछा जा रहा है।

पांच बार के 'वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर' रोनाल्डो को बेंच पर बिठाने के बाद उनकी जगह मैदान पर उतारे गये 21 वर्षीय गोंकालो रामोस द्वारा गोल की हैट्रिक के बाद मोरक्को के खिलाफ चयन वास्तव में दुविधापूर्ण बन गया है। इससे मैच से 90 मिनट पहले पुर्तगाल की शुरूआती एकादश का सभी को बेसब्री से इंतजार होगा क्योंकि रोनाल्डो अपने चमचमाते करियर में दूसरी बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल खेलने के लिये बेसब्र होंगे। पुर्तगाल की टीम तीसरी बार ही इस चरण तक पहुंची है।

मोरक्को फुटबॉल के महासमर में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाला चौथा अफ्रीकी देश बना। कैमरून ने 1990 में, सेनेगल ने 2002 और घाना ने 2010 में यह उपलब्धि हासिल की थी। इन तीनों में से कोई भी टीम हालांकि सेमीफाइनल तक नहीं पहुंची थी। मोरक्को की टीम कतर में अंतिम आठ में पहुंचने वाली यूरोप या दक्षिण अमेरिका से बाहर की पहली टीम है।

कतर में और देश में उसके प्रशंसकों ने अंतिम 16 में स्पेन पर पेनल्टी शूटआउट में मिली जीत का जश्न मनाया जिसने उस ग्रुप से यहां तक का सफर किया जिसमें बेल्जियम और 2018 की उप विजेता क्रोएशया जैसी टीमें मौजूद थीं।

फ्रांस में जन्मे वालिद रेग्रागुई उनके कोच हैं और उनके 26 में से 14 खिलाड़ियों का जन्म विदेश में हुआ है। टीम ने केवल एक गोल गंवाया है और वो भी कनाडा के खिलाफ आत्मघाती गोल। हालांकि उसके अच्छे खिलाड़ियों को पुर्तगाल के धुरंधरों के सामने फिटनेस के मामले जूझना पड़ सकता है क्योंकि मिडफील्डर सोफयान अमराबत ने कहा कि वह पीठ की चोट के बावजूद दर्द निवारक इंजेक्शन लेकर स्पेन के खिलाफ मैच में खेलने उतरे थे।

पुर्तगाल को इस तरह की कोई समस्या नहीं है, सांटोस की टीम की गहराई इतनी प्रभावशाली है कि वह स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में रोनाल्डो, जोओओ कांसेलो और रूबेन नेवेस जैसे कद के खिलाड़ियों को बेंच पर बिठाने के बावजूद जीते जबकि इन खिलाड़ियों ने ग्रुप के हर मैच में शुरूआत की थी।

सांटोस ने कहा कि वह अपनी टीम का चयन प्रतिद्वंद्वी टीम की मजबूती और कमजोरियों को देखते हुए करते हैं। लेकिन अगर वह उस मैच के बाद कोई बदलाव करते हैं जिसने पुर्तगाल को टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में लाकर खड़ा कर दिया है तो यह हैरानी भरा होगा।

अगर रोनाल्डो फिर से स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरते हैं तो भी उन्हें मैदान में कुछ समय मिलने की उम्मीद है। यह संभवत: उनका अंतिम विश्व कप है। उनके इर्द गिर्द लगातार कोई न कोई ड्रामा बना रहता है और वह कुछ भी हो सुर्खियों में बने रहते हैं।

बांग्लादेश को 'क्लीन स्वीप' से रोकने उतरेगा भारत

चटगांव, 9 दिसंबर। खिलाड़ियों की चोटों और फिटनेस समस्याओं से परेशान भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में उतरेगी तो उसका लक्ष्य मेजबान टीम को 'क्लीन स्वीप' से रोकने का होगा।

मेहदी हसन मिराज की दो शानदार पारियों के दम पर बांग्लादेश पहले दो मैच और श्रृंखला जीत चुका है लेकिन अब उसका इरादा भारत का सूपड़ा साफ करने का होगा और अगर ऐसा होता है तो बांग्लादेश क्रिकेट के लिये यह ऐतिहासिक होगा।

इससे 14 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले बांग्लादेश का आत्मविश्वास भी बढेगा। भारत के लिये इस श्रृंखला में 20 क्रिकेटर उपलब्ध थे क्योंकि बांग्लादेश में पहले वनडे और न्यूजीलैंड में आखिरी मैच के बीच कम समय था क्योंकि दोनों टीमों में कुछ खिलाड़ी समान थे। एक सप्ताह के भीतर हालांकि हालात बद से बदतर हो गए और आखिरी मैच के लिये सिर्फ 14 फिट खिलाड़ी उपलब्ध हैं। हालात यह है कि कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को तुरंत यहां बुलाना पड़ा क्योंकि भारतीय गेंदबाजी आक्रमण अनुभवहीन लग रहा था। कुलदीप ने 72 वनडे में 118 विकेट लिये हैं और वह इस टीम के सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं।

नियमित कप्तान रोहित शर्मा के बायें हाथ के अंगूठे की हड्डी खिसक गई है और उदीयमान तेज गेंदबाज कुलदीप सेन को पहला मैच खेलने के बाद चोट लग गई। तेज गेंदबाज दीपक चाहर एक बार फिर अनफिट हो गए हैं।

अक्षर पटेल की पसली में चोट लग गई है और वह पहला मैच नहीं खेल सके जबकि ऋषभ पंत भी चोटिल हैं और उन्हें आराम देना पड़ा था। अब देखना यह है कि कार्यवाहक कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पारी की शुरूआत करते हैं या ईशान किशन को अंतिम एकादश में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया जाता है। दूसरा विकल्प विराट कोहली और शिखर धवन से पारी की शुरूआत कराना और हरफनमौला राहुल त्रिपाठी को अंतिम एकादश में शामिल करना होगा। टीम प्रबंधन अगर सिर्फ बल्लेबाज को चुनता है तो रजत पाटीदार को पदार्पण का मौका मिल सकता है।

भारत की गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के हाथ में थी। पहले मैच में खराब गेंदबाजी के चलते भारत को पराजय का सामना करना पड़ा जब बांग्लादेश को 51 रन बनाने थे और उसका एक ही विकेट बाकी था जो भारतीय टीम नहीं ले सकी। दूसरे मैच में बांग्लादेश ने छह विकेट 69 रन पर गिरने के बाद 200 से अधिक रन बना डाले। आखिरी मैच में बांग्लादेश के हौसले बुलंद होंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत को छोड़कर केएल राहुल का बतौर कप्तान रिकॉर्ड खराब रहा है और ऐसे में वह 'क्लीन स्वीप' की शर्मिंदगी से बचना चाहेंगे।

रोहित, कुलदीप, चाहर बांग्लादेश सीरीज से बाहर

मुंबई, 9 दिसंबर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में क्षेत्ररक्षण के दौरान दूसरे ओवर में ही अंगूठे में चोट लगने के कारण वह बंगलादेश के खिलाफ तीसरे एवं अंतिम मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई ने कहा कि आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने रोहित की जांच की और ढाका के एक स्थानीय अस्पताल में उनका स्कैन किया गया। विशेषज्ञ से परामर्श के लिए वह मुंबई लौट आए गए हैं। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और दीपक चाहर भी चोटिल होने के कारण बंगलादेश सीरीज से बाहर हो गए हैं। कुलदीप ने पहले एकदिवसीय के बाद पीठ में जकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई ने कहा, मेडिकल टीम ने उनकी जांच की और उन्हें दूसरे एकदिवसीय से आराम करने की सलाह दी गई। कुलदीप को भी चोट लगी है और वह भी सीरीज से बाहर हो गए हैं।

रोनाल्डो ने विश्व कप छोड़ने की धमकी नहीं दी : पुर्तगाल के कोच

दोहा, 9 दिसंबर। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सैंटोस ने शुक्रवार को कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मैच के लिए शुरुआती एकादश से टीम से बाहर किए जाने के बाद विश्व कप छोड़ने की धमकी नहीं दी थी। सैंटोस ने हालांकि स्वीकार किया कि उनका स्टार खिलाड़ी इस फैसले से 'खुश नहीं' था। सैंटोस ने बताया कि रोनाल्डो को मैच से कुछ घंटे पहले मंगलवार को लंच के बाद एक निजी बैठक में इसकी जानकारी दे दी गयी थी।

रोनाल्डो के स्थानापन्न गोंकालो रामोस ने 6-1 की जीत में तीन गोल किए। पुर्तगाल के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले रोनाल्डो को मैच के 74वें मिनट में मैदान पर उतरने का मौका मिला। सैंटोस ने मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच से पहले कहा, "क्रिस्टियानो स्पष्ट रूप से इसके बारे में बहुत खुश नहीं था। उसने मुझसे कहा कि क्या आपको वास्तव में लगता है कि यह एक अच्छा विचार है?"

सैंटोस ने कहा, "उन्होंने मुझे कभी नहीं बताया कि वह राष्ट्रीय टीम छोड़ना चाहते हैं।" उन्होंने इससे जुड़ी पुर्तगाल की मीडिया की रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा, "यह वैसा समय है जब हमें इस बातचीत और विवादों को बंद कर देना चाहिये।" कोच ने हालांकि यह नहीं बनाया कि रोनाल्डो टीम मोरक्को के लिए शुरुआती एकादश में होंगे या नहीं।

पहले टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 9 विकेट से हराया

मुंबई, 9 दिसम्बर। ताहिला मैकठाथ (40) और बेथ मूनी (89) के बीच शतकीय साझेदारी की मदद से आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में शुक्रवार को भारत के खिलाफ नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की। डा डीवाई पाटिल स्पोर्टस अकादमी मैदान पर भारत ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाये जिसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने विजय लक्ष्य 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। भारत के साधारण गेंदबाजी आक्रमण ने आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजों को तनिक भी परेशान नहीं किया। मूनी ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 156 के स्ट्राइक रेट से 16 चौके लगाये जबकि दूसरे छोर पर मैकठाथ ने 29 गेंदों में चार चौके और एक छक्का जमा कर जीत को और आसान कर दिया। आस्ट्रेलिया का एकमात्र विकेट देविका वैद्य को मिला। इससे पहले भारत की ओर से शैफाली वर्मा ने आक्रामक ढंग से पारी की शुरूआत की और मात्र दस गेंदों की पारी में दो चौके और दो छक्के की सहायता से 21 रन ठोक दिये।

जयपुर पिंक पैंथर्स और गुजरात जायंट्स का मैच बराबरी पर छूटा

हैदराबाद, 9 दिसंबर। गुजरात जायंट्स के सोनू और डोंग गेओन ली ने आखिरी मिनटों में दमदार खेल दिखाते हुए प्रो कबड्डी लीग के मैच में शुक्रवार को जयपुर पिंक पैंथर्स के जबड़े से जीत छिन ली और मुकाबला 51-51 की बराबरी पर छूटा। सोनू ने मैच में 14 अंक जुटाये जबकि कप्तान ली ने 10 अंक का योगदान दिया। प्रतीक दाहिया ने भी टीम के लिए 12 अंक जुटाये।

मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है : हेली

मुंबई, 9 दिसम्बर। आस्ट्रेलिया महिला टीम की नियमित कप्तान मेग लैनिंग के स्थान पर भारत के खिलाफ हाई प्रोफाइल टी20 श्रृंखला का नेतृत्व कर रही अलाइसा हेली ने कहा कि उन्हे चुनौतियों का सामना करना पसंद है और वह टीम की कप्तानी के लिये पूरी तरह तैयार हैं।

हेली भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में आस्ट्रेलिया की सातवीं कप्तान होंगी जिन्हे पूर्णकालिक कप्तान मेग लेनिंग की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। लेनिंग अनिश्चकालीन ब्रेक पर हैं और लगातार टीम का हिस्सा नहीं बन रही है।

रासेल हेंस के रिटायरमेंट के बाद हेली को हाल ही में टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था और अब वह लेनिंग की गैर मौजूदगी में टीम की कप्तान होंगी। हेली ने कहा मुबंई में भारत के खिलाफ पहले टी20 मैच में खेलना दिलचस्प होगा। मैं सोचती हूं कि रेखाएं बहुत धुंधली हैं। इसमें थोड़ा बहुत है, लेकिन यह दिलचस्प है।

ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद वेस्टइंडीज के चार विकेट झटके

एडीलेड, 9 दिसंबर। ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन की बड़ी शतकीय पारियों और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 297 रन की साझेदारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां में सात विकेट पर 511 रन बनाने के बाद चार विकेट झटक कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

दिन रात्रि टेस्ट में स्टंप्स के समय तेजनारायण चंद्रपाल 47 और एंडरसन फिलिप एक रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। टीम ऑस्ट्रेलिया से 409 रन पीछे है और उस पर फालोऑन का खतरा मंडरा रहा है। लगभग एक साल पहले एशेज श्रृंखला में इसी मैदान पर पदार्पण करने वाले माइकल नासेर (20 रन पर दो विकेट) ने इस दौरानऑस्ट्रेलिया के दो बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखायी। उन्होंने क्रेग ब्रेथवेट और शामराह ब्रुक्स को पवेलियन भेजकर शानदार वापसी की।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने इस दौरान ऑफ स्टंप के बाहर कसी हुई गेंदबाजी की और इसका फायदा उन्हें लगातार अंतराल पर विकेट के साथ मिला। ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 330 रन के साथ दिन की शुरुआत की और बीते दिन शतक पूरी करने वाले लाबुशेन और ट्रेविस हेड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। दोनों दिन के शुरुआती 21.1 ओवर में 98 रन जोड़े।

डेवोन थॉमस ने लाबुशेन को आउट कर चौथे विकेट के लिए हेड के साथ उनकी 297 रन की साझेदारी को तोड़ा। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट में चौथे विकेट के लिए यह तीसरी बड़ी साझेदारी है। लगातार तीसरा शतक लगाने वाले लाबुशेन ने 305 गेंद की पारी में 14 चौके जड़े। हेड 219 गेंद में 20 चौको की मदद से 175 रन बनाकर रन आउट हुए। कैमरून ग्रीन सिर्फ नौ रन बनाकर अलजारी जोशेफ (107 रन पर दो विकेट) की गेंद पर आउट हुए तो वही नासेर को ब्रेथवेट (35 रन पर एक विकेट) ने चलता किया। कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने चाय से पहले ऑस्ट्रेलिया की पारी घोषित कर दी।

इसके बाद दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से वेस्टइंडीज के बल्लेबाज सामंजस्य बैठाने में जूझते दिखे। सिर्फ चंद्रपॉल ही ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का दिलेरी से सामना कर सके। लाबुशेन ने पर्थ में पहले टेस्ट में 164 रन से मिली जीत में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने अपने टेस्ट कैरियर के 3000 रन भी 51वीं पारी में पूरे कर लिये। डॉन ब्रेडमैन के बाद उन्होंने सबसे तेजी से यह आंकड़ा छुआ है। ब्रेडमैन ने 33 पारियों में 3000 रन पूरे किये थे।

राजस्थान जूनियर बालक व बालिका शूटिंगबाल टीमें घोषित

जयपुर, 9 दिसम्बर। तेलंगाना मे 09 से 11 दिसम्बर को बालक व बालिका वर्गों मे होने जा रही 41 वी राष्ट्रीय जूनियर शूटिंगबाल चैम्पियनशिप मे भाग लेने वाली राजस्थान की चयनीत टीमो के खिलाडियों के नाम राज्यसंघ चयन समिति के चैयरमैन अल्ताफ हुसैन के अनुसार निम्न प्रकार है : बालक वर्ग मे मनीष,राघवेंद्र,सरवर खान, नवीन सिंह, शौरभ, आयुष सोनी, अभी शक्तावत, मनीष, सरफराज खान, साहिल, विशाल, प्रशिक्षक सोनू यादव व मैनेजर जगराम चौधरी। बालिका वर्ग - पायल कंवर, कृति खांडल, श्रेया जैन, मनीषा चौधरी, नीलम, मोनिका, पवन जांगू, तनु राठौड, प्रियंका, कनिष्का शर्मा व सुहाना। प्रशिक्षक चंचल व मैनेजर सोनू यादव। राज्यसंघ महासचिव दयानन्द उपाध्याय ने बताया की घोषित दोनों टीमों के खिलाडी तेलंगाना गंतव्य के लिये आज रवाना हो चुके है।

मैं अपनी पावरहिटिंग पर काम कर रहा हूं : वाशिंगटन सुंदर

चटगांव, 9 दिसंबर। कलात्मक बल्लेबाजी करने वाले भारतीय हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम की जरूरत के मुताबिक 'पावर हिटिंग (ताकत से शॉट लगाना)' में सुधार करने पर काम कर रहे है। बल्लेबाजी में अपनी 'टाइमिंग और प्लेसमेंट' के लिए जाने जाने वाले वाशिंगटन सुंदर ने कुछ तेज तर्रार पारियां खेली है। उन्होंने हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर आक्रामक अर्धशतक लगाया था जबकि इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के इस खिलाड़ी ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 14 गेंद में 40 रन की यादगार पारी खेली थी। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय की पूर्व संध्या पर इस खिलाड़ी ने कहा, " पिछले कुछ वर्षो से मुझे ऐसी (तेजी से बल्लेबाजी) ही भूमिका मिल रही है। इसमें विशेष तरह की बल्लेबाजी की जरूरत होती है और मैं उसी के मुताबिक काम कर रहा हूं।"

सवामहस्त बल्लेबाज ने कहा, " उस क्रम पर बल्लेबाजी की जैसी जरूरत होती है। मैं उसी पर काम कर कर रहा हूं।" वाशिंगटन को इस बात की खुशी है कि उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। उन्होंने कहा, "मुझे खुशी है कि पिछले कुछ महीनों में मुझे मेरी मेहनत का अच्छा परिणाम मिला। उम्मीद है कि मैं आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखने में सफल रहूंगा। किसी भी क्रम या परिस्थितियों में प्रदर्शन कर सकूंगा।"

तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने कहा, " पिछला मैच मेरे लिए एक शानदार अवसर था। अगले साल विश्व कप को देखते हुए मैं ऐसा खिलाड़ी बनना चाहता हूं जो किसी भी स्थिति में, किसी भी प्रकार के संयोजन में, और जहां भी टीम की जरूरत हो, खेल सके। मैं उस तरीके का खिलाड़ी बनना चाहता हूं जिसे टीम जहां चाहे वहां इस्तेमाल कर सके।" श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में पांच विकेट लेने वाले इस हरफनमौला ने कहा, " मैं अपनी क्षमता में योगदान करने में सक्षम होना चाहता हूं, इस तरह से योगदान देना चाहता हूं कि टीम अधिकांश मैचों को जीत सके और आखिर में विश्व कप में सफल हो। मैं सिर्फ वर्तमान में रहना चाहता हूं।

अबरार के वार से इंग्लैंड की पहली पारी 281 पर सिमटी

मुल्तान, 9 दिसम्बर। अबरार अहमद की पदार्पण टेस्ट में घातक फिरकी (114 पर सात विकेट) की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां इंग्लैंड की पहली पारी को 281 रनों पर समेट दिया। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में दो विकेट खोकर 107 रन बना लिये थे। कप्तान बाबर आजम 61 रन और सउद शकील 32 रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। पदार्पण टेस्ट में एक पारी में सात विकेट चटकाने का कारनामा करने वाले अबरार पाकिस्तान के तीसरे खिलाड़ी बन चुके हैं। इससे पहले 1969 में कराची टेस्ट में मोहम्मर नजीर न्यूजीलैंड के खिलाफ 99 रन देकर सात विकेट चटकाये थे।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश के शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ शुक्रवार को कोटा की सैर की। दिग्विजय सिंह ने चंबल रिवर फ्रंट, ऑक्सीजोन पार्क एवं चंबल रिवर फ्रंट के समीप बनी बावड़ी इत्यादि का भ्रमण किया। इस मौके पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि इन विकास कार्यो में आधुनिक कौशल के साथ-साथ राजस्थान की प्राचीन स्थापत्य कला का बेजोड़ उपयोग हुआ हैं। कोटा के यह दर्शनीय स्थल आने वाले समय में कोटा के पर्यटन को विश्वस्तरीय पहचान दिलायेंगे।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कोटा के विकास कार्यों का अवलोकन किया

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कोटा में विश्व स्तरीय विकास कार्य हुए हैं जिनका अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाये

- **दिग्विजय सिंह ने शांति धारीवाल के साथ चंबल रिवर फ्रंट की सैर की, और प्रवेश द्वार के समीप नवनिर्मित बावड़ी की राजस्थानी स्थापत्य कला की प्रशंसा की।**
- **दिग्विजय सिंह ने ऑक्सीजोन पार्क का भी भ्रमण किया और कहा कि, यह आधुनिकता और हरियाली का बेजोड़ संगम है, यह कोटा के कोचिंग विद्यार्थियों के लिए भी बेहद उपयोगी है।**

कोटा, 9 दिसम्बर (निसं)। कोटा शहर में पिछले 4 सालों में आधारभूत एवं पर्यटन महत्व के विकास कार्यों का मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने स्वायत्त शासन मंत्री शांति धरीवाल के साथ शुक्रवार को अवलोकन कर इन्हें कोटा की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बढ़ाने वाले बताया।

उन्होंने कहा, कोटा अब अन्तर्राष्ट्रीय मापण्डों के अनुसार सुन्दर शहर हो गया है, आवश्यकता दुनिया के सामने इनके प्रचार प्रसार की है। पूर्व मुख्यमंत्री सबसे पहले चंबल रिवर फ्रंट देखने पहुंचे जहां प्रवेश द्वार के समीप फार्टवॉल के समीप नवनिर्मित बावड़ी का का अवलोकन किया, उन्होंने इसमें राजस्थानी स्थापत्य शैली को देखकर अद्भुत निर्माण बताया। उन्होंने चंबल रिवर फ्रंट पर विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर इसे देश दुनिया का बेहतरीन कार्य बताते हुए कहा कि साबरमती के रिवरफ्रंट से भी अच्छा कार्य यहां पर्यटक देख सकेंगे। उन्होंने रिवर फ्रंट के प्रचार-प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कांफ्रेंस आयोजित कर पर्यटकों के लिए जानकारी पहुंचाने की सलाह दी। उन्होंने परम्परा एवं आधुनिकता का बेजोड़ संगम ऑक्सीजोन पार्क का अवलोकन किया तो हरियाली एवं आधुनिक सुविधाओं का नजारा देखकर कोटा कोचिंग के लिए आने वाले विद्यार्थियों के लिए अद्भुत कार्य बताया।

उन्होंने कहा कि, कोटा में विकसित किए जा रहे पर्यटन विकास के कार्य अकल्पनीय हैं ये देश दुनिया के पर्यटकों के लिए यादगार बनेंगे। विश्व मानचित्र के पटल पर पर्यटन के क्षेत्र में कोटा की नई पहचान बनाएंगे। उन्होंने विकास कार्यों में स्वायत्त शासन मंत्री की पहल पर नगर विकास द्वारा किए गए वित्तीय प्रबंधन की भी सराहना करते हुए कहा कि, राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में राशि उपलब्ध नहीं होने के बावजूद वित्तीय प्रबंधन कर अभूतपूर्व विकास कार्य करवाना सराहनीय है।

इसके बाद पूर्व सीएम पशुपालकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली देवनारायण आवासीय योजना का जायजा लेने पहुंचे जहां एक ही स्थान पर पशुपालकों के लिए शहर की तर्ज पर विकसित किये गए संसाधनों को देख खासे प्रभावित हुए। उन्होंने पशुपालकों के आवास का भी अवलोकन किया। उन्होंने योजना को अन्य प्रदेशें के लिए अनुकरणीय बताते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं देश के शहरों में विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने कोटा में विकसित किए गए आकर्षक चौराहे नयापुरा, घोड़े वाले बाबा, एरोड्रम अंडरपास सहित सुगम आवागमन के लिए विकसित किए गए फ्लाईआवरों को भी देखा और स्वायत्त शासन मंत्री के विकास के विजन की खुले दिल से सराहना की।

'सचिन पायलट ने जहां प्रचार किया वहाँ 70 फीसदी सीटें कांग्रेस की झोली में आईं'

भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम के समय अधिकांश कांग्रेसजनों में यही चर्चा सर्वाधिक रही

- **ग्रामीण लोगों से बात करने पर यही निकल कर आया कि, यदि राजस्थान में कांग्रेस के मामले में कोई फैसला जल्द नहीं हुआ, तो पार्टी बेहद खराब स्थिति में जा सकती है।**
- **लोगों का यह भी मानना था कि, ढुलमुल रवैया जारी रहा, तो राजस्थान में कांग्रेस 2023 विधानसभा चुनाव में अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन की ओर जाती नजर आएगी।**

जयपुर, 9 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 4 दिन राजस्थान के झालावाड़ और कोटा जिले में चलने के बाद बूंदी जिले में विश्राम कर रही है। इस विश्राम के दौरान कांग्रेस जनों में सिर्फ यही चर्चा है कि, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों पर यदि चर्चा की जाए तो सामने आएगा कि किस नेता का पलड़ा भारी रहा और कौन नेता फिसड्डी साबित हुआ।

चर्चाओं में यही निकल कर आया कि जब 2017 विधानसभा चुनाव में गुजरात में कांग्रेस को 77 सीटें हासिल हुई थीं, तब अशोक गहलोत की वाहवाही हुई थी,अब जब वे वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में गुजरात में मौजूद थे और पार्टी आज तक के सर्वाधिक खराब प्रदर्शन के बाद सिर्फ 17 सीटें हासिल कर पाई, तो क्या इसके लिए अशोक गहलोत जिम्मेदार नहीं हैं?

कांग्रेस नेता यह भी कह रहे हैं कि, बिना किसी पद के, एक साधारण विधायक के रुप में कांग्रेस के स्टार प्रचारक और हिमाचल प्रदेश के कनिष्ठ पर्यवेक्षक के रुप में 21 विधानसभा सीटों पर रैली करने के बाद 13 सीटें कांग्रेस की झोली में डालने वाले सचिन पायलट वास्तव में कांग्रेस की सबसे बड़ी संपत्ति बन गए हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम के दिन ना सिर्फ कांग्रेसजनों में यह चर्चा थी, बल्कि जहां यात्रा रुकी हुई है,उस विधानसभा क्षेत्र, केशोरायपाटन के आम लोगों से चर्चा करने पर भी इसी तरह की बातें निकल कर सामने आई हैं।

लोगों का मानना था कि, निश्चित तौर पर सचिन पायलट कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक हैं। ना सिर्फ हिमाचल प्रदेश में स्टार प्रचारक और कनिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में सचिन पायलट ने लगातार अपना समय दिया, बल्कि, इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश, आसाम, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश सहित, जहां भी कांग्रेस पार्टी ने उन्हें बुलाया, प्रचारक के तौर पर उन्होंने अपना पूरा समय दिया। इतना ही नहीं,जिन विधानसभा क्षेत्रों में सचिन पायलट ने सभाएं की, उनमें से 60 से 70 प्रतिशत सीटें कांग्रेस की झोली में गई हैं।

चर्चाओं में कांग्रेसजनों का कहना यह भी है कि राजस्थान में भी अब इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि, 2013 के विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस ने प्रदेश में अपना अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए मात्र 21 सीटें जीती थीं, उस दौर में सचिन पायलट को प्रदेश के संगठन की जिम्मेदारी दी गई थी।

उस समय बहुत सारे कांग्रेस नेताओं का कहना था कि, सचिन पायलट को संगठन का अनुभव नहीं है लेकिन सचिन पायलट ने तमाम चर्चाओं, बयानों और संभावनाओं को खारिज करते हुए जिस तरह से संगठन को खड़ा किया और आगे बढ़े, उसी का नतीजा था कि 2018 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व में राजस्थान में कांग्रेस सत्ता प्राप्त करने में सफल हुई। यह अलग बात है कि इतना होने के बावजूद उन्हें सरकार का नेतृत्व नहीं सौंपा गया।

इन सब चर्चाओं के बीच हाड़ौती ग्रामीण अंचल के लोगों से बात करने पर सामने आया है कि भले ही 2023 में भाजपा की सरकार आने की पूरी संभावना लग रही है, लेकिन यदि कांग्रेस आज भी नेतृत्व परिवर्तन पर निर्णय लेती है, तो 2023 के विधानसभा चुनाव की परिस्थितियों में बदलाव आ सकता है।

लोगों का कहना है कि, भाजपा जो आज बहुत सहज स्थिति में राजस्थान में सरकार बनाती नजर आ रही है, वह कांग्रेस सरकार का नेतृत्व परिवर्तन होने की स्थिति में संकट में आ सकती है।

इन्हीं चर्चाओं के बीच ग्रामीण लोगों का भी कहना है कि, हालांकि यह निर्णय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को लेना है, जो अब तक निर्णय लेने के मामले में ढुलमुल रवैया अपनाता रहा है। यदि यही ढुलमुल रवैया जारी रहा, तो राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन हो सकता है।

'गुजरात में हुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेयरमैन डी.पी. जारोली लिप्त हैं। भाजपा की सरकार आने पर दोषियों पर कार्रवाई होगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। रीट पेपर लीक मामला अभी तक शांत नहीं हो पाया है।

गुजरात चुनाव नतीजों का मुद्दा उठाकर देवनानी ने कहा कि गुजरात में राजस्थान मॉडल फेल हो गया। कांग्रेस की हालत पहले कभी भी ऐसी नहीं हुई। राजस्थान की जनता पहचान चुकी है। अशोक गहलोत द्वारा अपनी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को नकारा, निकम्मा और गद्दार तक कहा गया है, जो अपनी पार्टी के नहीं हुए वो प्रदेश की जनता के क्या होंगे।

उन्होंने जनाक्रोश यात्रा के बारे में भी बताया कि अब तक प्रदेशभर में 45 हजार किलोमीटर से ज्यादा यात्रा हो चुकी है। इसके अलावा 6114 सभाएं होने के साथ ही लाखों पत्रक बांटे जा चुके हैं। यात्रा के दौरान अब तक 84 हजार शिकायतें आई हैं। वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी के बयान पर देवनानी ने कहा कि सावरकर का आजादी में बड़ा योगदान था जो किसी भी कांग्रेसी से ज्यादा रहा है। उन्हें तो दो-दो बार आजीवन कारावास हुआ। जेल की यातनाएं सहनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि आखिर सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी किसके कहने पर बोलते हैं।

प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर पर उन्होंने कहा कि मेरे समय मे शिक्षा के मामले राजस्थान दूसरे नंबर पर आ गया था। मगर इस सरकार ने शिक्षा का बंटाधार कर दिया। उच्च शिक्षा मे 50 फीसदी पद खली पड़े है और 490 में से 460 कॉलेज में अस्थायी प्राध्यापक लगे हैं। विश्वविद्यालयों में आज 2200 में से 1200 पद खाली पड़े हैं और उच्च शिक्षा के नाम पर कॉलेज बच्चों को लूट रहे हैं, लेकिन इस ओर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। कुल मिलाकर शिक्षा में जबर्दस्त भ्रष्टाचार हो रहा है।

विश्राम के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाए:- सोनिया गांधी के जन्म दिन के मौके पर आज विश्राम स्थली गुड़ली में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व वित्त राज्य मंत्री हरिमोहन शर्मा के नेतृत्व में केक काटकर सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया गया।

इस अवसर पर कन्याकुमारी से निरन्तर यात्रा कर रहे विजेन्द्र सिंह अहलावत, सचिव राव, राजस्व मंत्री राम लाल जाट, पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा, जगरूप रंधावा, चर्मेश शर्मा, टीकम जैन, संजय तंबोली, बनवारी मीणा, चन्द्रप्रकाश दाधीच, बाबू लाल अशोक दाधीच, यशवन्म दाधीच सहित सैकड़ों भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। विश्राम स्थल पर भव्य आतिशबाजी भी की गई, जिसे देख कर सभी भारत जोड़ो यात्री प्रफुल्लित हो गए।

इस मौके पर सभी भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं का जोश व उत्साह देखने लायक था। इससे पूर्व विश्राम स्थल पर सुबह भी पीसीसी सदस्य राकेश बोयत और कांग्रेस नेता प्रतिष्ठा यादव ने स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बड़े उत्साह से सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित सभी ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है, जो बड़ी बेसब्री से राहुल गांधी का इंतजार कर रहे हैं।

किरोड़ी लाल मीणा का राज्यसभा में प्राइवेट मैम्बर्स बिल पास हुआ

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। विपक्षी दलों के भारी विरोध को मतविभाजन के जरिए नामंजूर करते हुए गैर सरकारी विधेयक 'भारत में एकसमान नागरिक संहिता 2022' शुक्रवार को राज्यसभा में पेश हो गया।

भारतीय जनता पार्टी के किरोड़ी लाल मीणा के इस विधेयक को पेश करने के लिए लाये गये प्रस्ताव के पक्ष में 63 तथा विरोध में 23 मत पड़े। तृणमूल कांग्रेस, बीजू जनता दल और वाई.एस.आर.सी.पी. के सदस्य मतविभाजन से पहले बिना कुछ कहे सदन से बाहर चले गये।

सभापति जगदीप धनखड़ ने जैसे ही मीणा का नाम यह विधेयक पेश करने के लिए पुकारा तो विपक्ष के कई सदस्य

- **यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के प्रस्ताव के पक्ष में 63 व विपक्ष में 23 वोट पड़े।**

इसका विरोध करते हुए खड़े हो गये और कहा कि इसे पेश करने की अनुमति नही दी जानी चाहिए। इस पर धनखड़ ने कहा कि यह सदन विचार विमर्श करने के लिए हैं और विधेयक पेश करना और अपनी बात कहना प्रत्येक सदस्य का अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने इस विधेयक को पेश करने का विरोध किया है। लेकिन सब कुछ प्रक्रिया के तहत होगा। इसके बाद उन्होंने मीणा को विधेयक पेश करने की अनुमति दी और विरोध कर रहे सदस्यों का नाम पुकारा।

सदन के नेता पीयूष गोयल ने विपक्ष के विरोध को खारिज करते हुए कहा कि यह विधेयक संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप है।

5 साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री की 31 विदेश यात्राओं पर 239,04,08625 करोड़ रूपए खर्च हुए हैं।

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा (21 से 28 सितम्बर 2019) पर सर्वाधिक 23,27,09,000 रू. खर्च हुए थे और सबसे कम 23,86,536 रू. इस वर्ष 26-28 सितम्बर की जापान यात्रा में खर्च हुए थे।

शेरगढ़ गैस काण्ड: घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत, केन्द्र हर संभव मदद देगा-शेखावत

'बाहर से डॉक्टरों को बुलाने की जरूरत पड़ी तो बुलाया जाएगा'

- **केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शेरगढ़ गैस काण्ड में घायल हुये लोगों से मिलने शाम को अस्पताल पहुंचे।**

जोधपुर, 9 दिसम्बर (कासं) । केंदीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि, घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत है। उन्हें संभव मदद केंद्र की तरफ से दी जाएगी। गैस कांड की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक अपनी बात पहुंचाई है।

प्रशासन ने भी पूरी तरह तन्मयता से काम किया है। मुख्यमंत्री की तरफ से जो सहायता राशि दी गई और वे जोधपुर भी आए उसके उनका धन्यवाद है।

शेखावत आज जोधपुर में शेरगढ़ गैस कांड पीड़ितों से मिलने एमजीएच पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री शेखावत शाम को शेरगढ़ गैस कांड में घायलों की कुशल क्षेम पूछने के लिए पहुंचे। मृतकों के परिवार को ढांढस बंधाने के साथ अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। शेखावत ने जिला कलेक्टर से भी घायलों के उपचार के बारे में जानकारी जुटाई और एमजीएच में बर्न यूनिट में गए।

शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, अभी तो घायलों को संबल प्रदान करने का समय है। उन्हें हर तरह से मदद मिलें ऐसी जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भी धन्यवाद व्यक्त किया वे समय निकाल कर तुरंत जोधपुर आए और मृतकों के आश्रितों और घायलों को मदद की घोषणा की।

शेखावत ने कहा कि सात लोगों की मृत्यु इस कांड में हुई है अभी 15-20 लोग ऐसे है जिनकी हालत क्रिटिकल बनी हुई है। इनकी जान बचना जरूरी है।

'लालू के बिना तेजस्वी यादव कुछ भी नहीं'

प्रशांत किशोर ने कहा कि, तेजस्वी यादव व नीतीश कुमार बिहार में तीन में से दो उपचुनाव हार चुके हैं

- **प्रशांत किशोर ने कहा कि, ये दोनों नेता लगातार उपचुनाव हार रहे हैं, सिर्फ एक सीट जीत पाये हैं वो भी एक बाहूबली नेता की सीट थी, इस कारण जीत गये नहीं तो, वो भी हार जाते।**

पटना, 9 दिसम्बर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के सी.एम. नीतीश कुमार और डिप्टी सी.एम. तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आर.जे.डी. अध्यक्ष लालू प्रसाद के बिना तेजस्वी यादव कुछ भी नहीं हैं। अपनी जन सुराज पदयात्रा के 69 वें दिन प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव जनता के साथ सिर्फ धोखा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से ये सत्ता में आए हैं तब से तीन उपचुनाव हुए हैं, जिसमें दो में हार का सामना करना पड़ा है। एक चुनाव जीते, क्योंकि वो बाहुबली की सीट थी।

प्रशांत किशोर ने कहा कि उपचुनाव तो इनसे जीता नहीं जाता, ये मुझे चुनाव लड़ना क्या सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि 2015 में मैंने इनकी मदद नहीं की होती तो क्या महागठबंधन को जीत हासिल होती? उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि तेजस्वी यादव को राजनीति की कितनी समझ है? 2015 में विधायक बने इससे पहले इनको कौन जानता था? बिहार की जनता ने इनको नहीं चुना है।

तेजस्वी के पहली कैबिनेट की बैठक में 10 लाख नौकरी दिए जाने के वादे को याद कराते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वे कहते थे कि सत्ता में आए तो पहली कैबिनेट में 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे, अब क्या उनकी पेन टूट गई है या स्याही सूख गई है?

प्रशांत किशोर ने राज्य की अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि सरकार की नाकामी के वजह से बिहार बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार के पैसों से गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उद्योग लगाया जा रहा है और बिहार के लोग उन राज्यों में जाकर मजदूरी कर रहे हैं।

चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि राज्यों में पूंजी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बैंकों की है। उन्होंने कहा कि देश के स्तर पर क्रेडिट डिपोजिट का आंकड़ा 70 फीसदी है, और बिहार में यह आंकड़ा पिछले 10 सालों से 25-40 प्रतिशत रहा है। उन्होंने कहा कि आर.जे.डी. के कार्यकाल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत से भी नीचे था। नीतीश कुमार के 17 साल के कार्यकाल में यह औसत 35 प्रतिशत है जो पिछले साल 40 प्रतिशत था।

पीके (प्रशांत किशोर) ने कहा कि इसका मतलब है कि बिहार में जो भी पैसा बैंकों में लोग जमा करा रहे हैं, उसका केवल 40 प्रतिशत ही लोन के तौर पर लोगों के लिए उपलब्ध है। जबकि विकसित राज्यों में 80 से 90 प्रतिशत तक बैंकों में जमा राशि लोन के लिए उपलब्ध है।

महाराष्ट्र व कर्नाटक के बीच बस सेवा बहाल हुई

कोल्हापुर, 9 दिसंबर (वार्ता)। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जारी सीमा विवाद के बीच दोनों राज्यों में निलंबन के 72 घंटे बाद बस सेवाएं शुक्रवार को बहाल कर दी गईं। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के एक विवादास्पद बयान के बाद दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद फिर से भड़क गया था, जिस कारण, महाराष्ट्र के वाहनों पर कर्नाटक के बेलगाम, हिरेबगवाड़ी टोल प्लाजा पर पथराव किया गया, जिसमें छह ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए।

भूंगरा हादसे में पाँच की और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे-तैसे घर में रखे दूसरे सिलैण्डरों को बाहर निकाला और महिलाओं व बच्चियों को बाहर लाकर हॉस्पिटल पहुंचाया।

एक प्रत्यक्षदर्शी महिला गंवरी ने बताया कि धमाके की आवाज सुनकर वह दौड़कर भाई के घर आई तो देखा कि घर आग की लपटों से घिरा है और महिलाओं व बच्चों के चिल्लाने की आवाज आ रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घर में तीन-चार दिन से फंक्शन चल रहा था। सभी बारात को लेकर तैयारी कर रहे थे। दोपहर में बारात जानी थी, लेकिन इससे पहले ही हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के बाद हॉल की छत तक उड़ गई और सामान जल गया।

परिवार के सदस्यों के अनुसार हलवाई ने भट्टी के पास के सिलेंडर तो चैक किए, लेकिन स्टोर के सिलेंडर चैक करना भूल गया। स्टोर के सिलैण्डर से लीक होकर गैस धीरे-धीरे आंगन तक पहुंच गई और जैसे ही गैस भट्टी तक पहुंची तो चारों ओर आग फैल गई। भट्टी के पास लगे सिलैण्डर में ब्लास्ट हो गया।

परिवार की मांडू देवी ने बताया कि वह तैयार होकर बाहर ही निकली थी कि अचानक जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने लगी। उसने बताया कि घर का पूरा सामान जल गया। दीवारों में दरारें तक आ गई। जैसे-तैसे जान बचाई और हॉस्पिटल पहुंचाया। हादसे में घर में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

इस हादसे के बाद शादियां टल गई हैं। बताया जाता है कि दूल्हे सुरेंद्र सिंह की बारात बाड़मेर के खोखसर जानी थी, और इसके साले की बारात सुरेंद्र सिंह के ही रिश्ते के भाई भालू राजवां निवासी पदम सिंह के यहां आनी थी। पदम सिंह की की बेटी की सगाई सुरेंद्र सिंह के साले से आटे-साटे में हुई थी।

भूंगरा के उप सरपंच ने बताया कि सुरेंद्र सिंह के पिता सगत सिंह सहित तीन भाइयों का परिवार एक ही खेत में पास-पास रहता है। सगत सिंह के दो बड़े भाई हमीर सिंह व नरपत सिंह की मौत हो चुकी है। नरपत सिंह के का बेटा और उसका पूरा परिवार पास ही में स्थित देव स्थान पर धोक लगाने गया था और पीछे ये हादसा हो गया। आस-पास के 15 से 20 परिवारों से कोई न कोई सदस्य झुलस गया है। इस भीषण हादसे की खबर मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज सुबह जोधपुर पहुंचे और घायलों के परिजन से बातचीत करने के साथ ढांढस बंधाया। मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।

हादसे में मृतकों के आश्रितों को पांच- पांच लाख रु. की मदद चिरंजीवी योजना के तहत दी जाएगी साथ ही दो लाख रु. का अतिरिक्त फंड भी दिया जाएगा। इस हादसे में घायलों को एक-एक लाख रु. की मदद दी जाएगी।

गुरुवार को हुए इस हादसे में दो बच्चो की मौत तो उसी दिन हो गई थी।

'आग लगी हमारी झौपड़ियों में, हम गायें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"देखो राहुल अपना वायदा भूल गए हैं। कांग्रेस इतनी भयभीत है कि उन्होंने अपना आखिरी दांव खेल दिया है और राहुल को गुजरात भेज दिया है।"

भाजपा के अलावा, मैं भी यही कहता कि राहुल अपने घोषित लक्ष्य से पीछे हट गए हैं कि वो भारत को जोड़ने के लिए यात्रा की योजना बना रहे हैं। उनका घोषित लक्ष्य चुनाव जीतना नहीं था।

और नई राजनीति की शुरूआत, दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन और निरतंर बढ़ती उम्मीद सब कुछ खत्म हो जाता और देश की जनता भविष्य में किसी का भरोसा नहीं करती।

शुरू में जनता ने उनका भी भरोसा नही किया था, उसे लगा था यह भी कोई जुमला है। आठ साल से चल रहे झूठ और प्रपंच से थक चुकी जनता को हरेक नेता झूठा और ठग नजर आने लगा था।

इसलिए शुरूआत में यात्रा मार्ग पर हमें हजारों की भीड़ नही दिखाई थी।

क्या हम सोचते हैं कि एक "पप्पू" ऐसा करेगा? कांग्रेस में लम्बे आत्म मंथन की प्रक्रिया का नतीजा है। यात्रा और यात्रा में हाल ही में सोनिया और प्रियंका गांधी शामिल हुई और इसका लक्ष्य यह है, कि गांधी परिवार जनमानस से यह धारण हटाना चाहता है कि कांग्रेस वंशवादी पार्टी है।

सैकड़ों मील चलने के बाद राहुल सही तस्वीर उभारने और जनता के निचले से निचले तबके में उम्मीद पैदा करने में सफल हुए हैं।

इस प्रकार इसे "आशा यात्रा" भी कहा जा सकता है। और राहुल इतने समझदार हैं कि एक व्यर्थ के प्रचार अभियान के लिए इससे पीछे नही हटे।

मेरे एक स्कूल के दोस्त जो कांग्रेस के बड़े नेता है, और गुजरात चुनाव प्रचार में जुटे हुए थे, जब मैंने उनसे संभावित नतीजों के बारे में पूछा तो उन्होंने कोई झूठी उम्मीद नही दी। इस बात से स्पष्ट था कि गुजरात में ना तो सोनिया गांधी ने प्रयास किया, न ही प्रियंका ने।

इससे एक बात और पता चलती है कि कांग्रेस अब झूठी उम्मीद या दुस्साहस में नही जी रही है बल्कि अब यह "इंटैलीजैंस कम्युनिटी" से संचालित हो रही है जिसे मोदी अपनी बपौती मानते हैं।

कांग्रेस के पास सूचना थी कि मीडिया गुजरात में "मोदी लहर" सृजित करेगा और कांग्रेस भाजपा-आर.एस.एस. से प्रोत्साहित आप पार्टी के आने से होने वाले नुकसान का भी अनुमान लगा दिया था और इसलिए इसने चुनाव लो प्रोफाइल रखा और स्थानीय मुद्दों पर ही फोकस रखा।

राहुल ने समझदारी दिखाई यात्रा जारी रखी उस दौरान कई चर्चित हस्तियां भी उनके साथ आईं और समाज का निम्नतम तबका भी। और जब समाज का सबसे कमजोर वर्ग आप पर भरोसा करने लगता है तो सारा चुनावी गणित, जातिगत जनाधार पीछे छूट जाता है। एम.के. इस बड़े परिदृश्य को नही देख रहा है। एक राजनैतिक पार्टी के सामने विकल्प है कि या तो वह जन सेवा को त्याग दे और किसी भी तरीके से चुनाव जीतने पर ही ध्यान केन्द्रित कर ले या फिर यह पारम्परिक तरीके की राजनीति पर अमल करे जिस पर महात्मा गांधी चले थे।

'कोलीजियम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोलीजियम द्वारा पारित प्रस्ताव, चर्चा, और एजेंडा की कॉपी मांगी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट बैंच ने साफ किया कि कोलीजियम मीटिंग सार्वजनिक नहीं की जाएगी "सिर्फ फैसला ही अपलोड किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि उस दिन चर्चा पूरी नहीं हुई थी इस लिए मीटिंग फैसला लिए बिना ही खत्म कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि अंतिम प्रस्ताव पारित होने, उस पर कोलीजियम हस्ताक्षर होने के बाद ही उसे सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। इससे पहले चर्चा व विचार विमर्श की प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908